वर्ष-10 अंक-256 पृष्ठ- 8 मूल्यः 3 रूपये

प्रयागराज, मंगलवार 24 दिसम्बर 2024

TM

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार

नगर संस्करण

10

आधुनिक समाचार नेटवर्क

प्रयागराज से प्रकाशित एवं सम्पूर्ण भारत वर्ष में प्रसारित

Download From

Adhunik Samachar

संक्षिप्त समाचार

प्रदूषण से घुटा दिल्ली के जल निकायों का दम, एक मामले में एनजीटी ने दिए दंडात्मक कार्रवाई के आदेश

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। इनमें डाले जाने वाला कचरे, मलबे, पॉलीथीन, प्लास्टिक की बोतल समेत दूसरे प्रदूषकों ने जल निकायों की जान निकाल दी है। इसी तरह का एक मामला राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) के सामने आया है। राजधानी के जल निकायों का प्रदूषण से दम घुट रहा है। इनमें डाले जाने वाला कचरे, मलबे, पॉलीथीन, प्लास्टिक की बोतल समेत दूसरे प्रदूषकों ने जल निकायों की जान निकाल दी है। इसी तरह का एक मामला राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) के सामने आया है। इसमें आया नगर गांव के खसरा संख्या-1706 में स्थित जोहड़ बेदम पड़ा है। इस पर एनजीटी ने तल्ख तेवर दिखाए हैं। कोर्ट ने दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी) को उचित और दंडात्मक कार्रवाई करने और मामला दर्ज करने का निर्देश दिया है।इससे पहले डीपीसीसी ने अदालत को एक रिपोर्ट सौंपी थी। उसमें कचरा डालने, पार्क में गायों और मवेशियों को धोने, तालाब में ऐसे पानी के निर्वहन, इलाके में सीवेज सिस्टम की अनुपस्थिति और तालाब में खुले नाले से सीवेज के निर्वहन की पुष्टि की थी। यह सीधे तौर पर पर्यावरण नियमों के उल्लंघन का मामला है। हालांकि, 16 अगस्त, 2024 के आदेश में अदालत ने संबंधित पक्षों को पक्षकार बनाया था, लेकिन किसी भी प्रतिवादी की ओर से कोई उत्तर नहीं मिला।सुनवाई के दौरान एमसीडी के वकील ने अदालत को बताया कि उन्हें जवाब दाखिल करने के लिए चार हफ्ते का समय चाहिए। उन्होंने तर्क दिया कि यह तालाब डीडीए की ओर से रखरखाव के उद्देश्य से 5 जुलाई, 2022 को एमसीडी को सौंप दिया गया था। अब डीडीए उक्त तालाब को वापस नहीं ले रहा है। एनजीटी अध्यक्ष न्यायमूर्ति प्रकाश श्रीवास्तव की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा, पिछली कार्यवाही में डीडीए को प्रतिवादी के रूप में शामिल किया था, लेकिन उसका प्रतिनिधि शामिल नहीं हुआ। ऐसे में अधिकरण ने अगली सुनवाई की तारीख 24 मार्च, 2025 से कम से कम एक हफ्ते पहले हलफनामे के माध्यम से डीडीए को जवाब दाखिल करने के लिए नया नोटिस जारी किया।

यमुना नदी पर नया पुल तैयार, ट्रैक बिछाने का अंतिम चरण में; महीने भर बाद ट्रेनों को मिलेगी रफ्तार

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। एक महीने में इस पर ट्रेनों की आवाजाही शुरू होने की उम्मीद है। पुरानी दिल्ली-गाजियाबाद को जोड़ने वाले इस

पुल के चालू होने से सेक्शन पर ट्रेनों को रफ्तार मिलेगी। यमुना पर लोहे के पुराने पुल के बराबर में निर्माणाधीन नए पुल पर ट्रैक बिछाने का काम अंतिम चरण में है। एक महीने में इस पर ट्रेनों की आवाजाही शुरू होने की उम्मीद है। पुरानी दिल्ली-गाजियाबाद को जोड़ने वाले इस पुल के चालू होने से सेक्शन पर ट्रेनों को रफ्तार मिलेगी।

क्या अच्छी और सुरक्षित कार होना ही काफी है बंगलूरू में वोल्वो हादसे के बाद उठे गंभीर सवाल

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। वोल्वो एक्ससी90 कार सबसे सुरक्षित कारों में से एक गिनी जाती है, लेकिन बंगलूरू का हादसा ऐसा था कि ये कार भी परिवार की जान नहीं बचा सकी।रविवार को बंगलूरू में वोल्वो कार हादसे में एक ही परिवार के छह लोगों की मौत हो गई। इस हादसे के बाद सोशल मीडिया पर एक बहस छिड़ गई है, जिसमें लोग देश की सड़कों की सुरक्षा पर सवाल उठा रहे हैं और उनका कहना है कि जब तक देश की सड़कों को सुरक्षित नहीं बनाया जाता, तब तक सड़क हादसों पर रोक नहीं लग सकेगी। वोल्वो एक्ससी90 कार सबसे सुरक्षित कारों में से एक गिनी जाती है, लेकिन बंगलूरू का हादसा ऐसा था कि ये कार भी परिवार की जान नहीं बचा सकी। दरअसल एक कंटेनर कार के ऊपर पलट गया, जिससे परिवार की दर्दनाक मौत हो गई।मृतकों की पहचान चंद्रम येगापोगल (48 वर्षीय), उनकी पत्नी गौराबाई (42 वर्षीय), बेटे ज्ञान (16 वर्षीय), बेटी दीक्षा (12 वर्षीय) साली विजयलक्ष्मी (36 वर्षीय) और विजयलक्ष्मी की बेटी आर्या (6 वर्षीय) के रूप में हुई है। चंद्रम बंगलूरू की एक सॉफ्टवेयर कंपनी के एमडी और सीईओ थे। रिपोर्ट के अनुसार, चंद्रम ने दो माह पहले ही वोल्वो कार खरीदी थी। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, परिवार चंद्रम के पिता से मिलने के लिए पड़ोसी राज्य महाराष्ट्र के सांगली जा रहा

था। पुलिस ने बताया कि चंद्रम सुरक्षित तरीके से गाड़ी चला रहे थे और इस हादसे में उनकी 'कोई गलती नहीं थी'। कंटेनर के ड्राइवर ने बताया कि हाइवे पर एक कार ने अचानक से ब्रेक लगा दिए थे, जिसके चलते कार को बचाने के लिए उसने अचानक से ब्रेक लगाए, इससे कंटेनर अनियंत्रित होकर डिवाइडर पार करके पलट गया। पलटने से पहले उसने एक दूध के ट्रक को टक्कर मारी थी। चंद्रम की कार दूध के कंटेनर के ठीक पीछे थे और उन्हें इस हादसे में संभलने का मौका भी नहीं मिला और कंटेनर कार पर पलट गया। कंटेनर में एल्युमीनियम से भरा था। हादसे में कंटेनर के ड्राइवर को भी चोट आई है। पुलिस ने उसके खिलाफ लापरवाही से गाड़ी चलाने और मौत का मामला दर्ज किया है। इस दुर्घटना के बाद सोशल मीडिया पर बहस शुरू हो गई है, जिसमें यूजर्स कह रहे हैं कि सबसे सुरक्षित कार भी तब तक जान नहीं बचा सकती जब तक कि सड़क पर अन्य लोग सुरक्षित तरीके से गाड़ी न चला रहे हों। एक यूजर ने हादसे की तस्वीर साझा करते हुए लिखा कि 'यह तस्वीर याद दिलाती है कि सड़क पर सुरक्षित कार से सफर करना ही सुरक्षित रहने की गारंटी नहीं है। सुरक्षित सड़कें, सुरक्षित ड्राइवर और सुरक्षित कार, इन तीनों चीजों से ही सुरक्षा हो सकती है।' कुछ यूजर्स ने अपने पोस्ट में केंद्रीय सड़क एवं परिवहन मंत्री नितिन गडकरी को टैग किया है। गौरतलब है कि सड़क हादसों में जान गंवाने वाले देशों में भारत शीर्ष देशों में शामिल है। पिछले साल देश में सड़क हादसों में 1.7 लाख से ज्यादा लोग मारे गए थे। मरने वालों में अधिकतर लोग 18-34 वर्ष की बीच के उम्र के थे।

बंगाल से घुसपैठ के लिए केंद्र को ठहराया जाए जिम्मेदार पश्चिम बंगाल मंत्री फिरहाद हकीम बोले

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। बांग्लादेश से अवैध प्रवासन के मुद्दे को लेकर टीएमसी नेता फिरहाद हकीम ने कहा कि यह केंद्रीय गृह मंत्रालय की जिम्मेदारी है। उन्होंने यह भी

सवाल उठाया कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह बांग्लादेश की सीमा पर सुरक्षा कड़ी क्यों नहीं कर पा रहे हैं पश्चिम बंगाल के वरिष्ठ मंत्री फिरहाद हकीम ने रविवार को कहा कि बांग्लादेश से अवैध घुसपैठ के लिए केंद्र सरकार को जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए। उनका यह बयान तब सामने आया है, जब अंसार-अल बांग्लादेश के कुछ संदिग्धों की गिरफ्तारी के बाद भाजपा ने राज्य सरकार पर निशाना साधा। आरोप है कि ये संदिग्ध में आतंकी संगठन का नेटवर्क फैलाने की कोशिश कर रहे थे। राज्य की पुलिस ने हाल ही में आठ संदिग्ध आतंकवादियों को गिरफ्तार किया था, जिनमें से दो सदस्य बांग्लादेश के आतंककी संगठन अंसार-अल-इस्लाम से जुड़े थे। ये लोग बंगाल में अपने नेटवर्क को फैलाने की कोशिश कर रहे थे। पुलिस के मुताबिक, इन आतंकियों में से एक बांग्लादेशी नागरिक था, जिसने जाली पहचान पत्र और पासपोर्ट प्राप्त किए थे, ताकि वह अपनी अवैध गतिविधियों को अंजाम दे सके। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के नेता हकीम ने कहा, यह जिम्मेदारी केंद्रीय गृह मंत्रालय की है, जो अमित शाह के नेतृत्व में काम कर रहा है। वह बांग्लादेश की सीमा पर सुरक्षा कड़ी क्यों नहीं कर पा रहे हैं? क्यों सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) बांग्लादेशी नागरिकों की घुसपैठ को नहीं रोक पा रही है?उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार ने बार-बार सीमा सुरक्षा बढ़ाने की मांग को नजरअंदाज किया है और अमित शाह इस पर ध्यान देने के बजाय दलित विरोधी बयान दे रहे हैं। शाह ने हाल ही में संसद में बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर को लेकर बयान दिया था। जिसके बाद देशभर में विरोध प्रदर्शन हुए।

गणतंत्र दिवस परेड में दिल्ली की झांकी शामिल न होने पर गरमाई सियासत

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। केंद्र सरकार पर राजनीति करने का आरोप लगाते हुए केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली देश की राजधानी है इस कारण

हर साल परेड में यहां की झांकी शामिल होनी चाहिए। गणतंत्र दिवस परेड में दिल्ली की झांकी शामिल न होने पर आप संयोजक अरविंद केजरीवाल ने सवाल उठाया है। केंद्र सरकार पर राजनीति करने का आरोप लगाते हुए केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली देश की राजधानी है इस कारण हर साल परेड में यहां की झांकी शामिल होनी चाहिए।उधर, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने आरोप लगाया कि अरविंद केजरीवाल ने अपने इस विवादित बयान से गणतंत्र दिवस की गरिमा का भी ध्यान नहीं रखा। इससे पहले भी उन्होंने 2014 में गणतंत्र दिवस से पहले रेल भवन पर धरना देकर गणतंत्र दिवस की गरिमा को तार-तार करने की कोशिश की थी।पार्टी कार्यालय में मीडिया से बात करते हुए केजरीवाल ने सवाल किया कि यह कैसी राजनीति है? दिल्ली के लोगों से उन्हें इतनी नफरत क्यों है? दिल्ली के लोग उन्हें वोट क्यों दें? केजरीवाल ने आरोप लगाया कि भाजपा के पास दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए कोई योजना नहीं है। वह सिर्फ केजरीवाल और आप को गाली देते हैं। 26 जनवरी की परेड में दिल्ली की झांकी और लोगों को भाग लेने से क्यों रोका जा रहा है केजरीवाल के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि परेड में राज्य विशेष की झांकी को शामिल करने का फैसला एक समिति करती है। झांकियों की संख्या भी सीमित होती है, केजरीवाल को भी इसकी जानकारी है। फिर भी दिल्ली चुनाव में वह लोगों का ध्यान मूल मुद्दों से भटकाना चाहते हैं। सचदेवा ने सवाल किया कि वह बताएं कि झांकी में आखिर वह दिखाना क्या चाहते हैं? दिल्ली की टूटी सड़कें या जलजमाव में डूबने से 62 लोगों की मौत की दर्दनाक कहानी? क्या वह यह दिखाना चाहते हैं कि लोगों के घर गंदा पानी आ रहा है या वह यमुना, जिसमें बीते 10 सालों से डुबकी लगाने की वह बात कर रहे हैं सचदेवा ने कहा कि अगर उनको लगता है कि दिल्ली की कोई झांकी 26 जनवरी में शामिल करनी चाहिए तो पहले वह शीशमहल की झांकी सबको दिखाएं, जो उनके भ्रष्टाचार का परिचय दे रही है।

श्रीलंकाई राष्ट्रपति दिसानायके ने की पीएम मोदी से मुलाकात; इन अहम मुद्दों पर हुई बातचीत

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। श्रीलंकाई राष्ट्रपति दिसानायके अभी भारत दौरे पर हैं। इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात कर दोनों देशों के बीच के रिश्चते में और मजबूती के लिए कई अहम मुद्दों

पर चर्चा की। श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमार दिसानायके तीन दिवसीय भारत की राजकीय यात्रा पर हैं। इस दौरान उन्होंने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के अलावा रक्षा, व्यापार और निवेश बढ़ाने के लिए व्यापक बातचीत की। बता दें कि श्रीलंका के राष्ट्रपति बनने के बाद दिसानायके की ये पहली विदेश यात्रा है, जिसके लिए वो रविवार को राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली पहुंचे। वार्ता से पहले राष्ट्रपति दिसानायके का राष्ट्रपति भवन में स्वागत किया गया। उन्होंने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से भी मुलाकात की। पीएम मोदी और अनुरा दिसानायके की वार्ता को लेकर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि दोनों के देशों के बीच व्यापार, निवेश, विकास और सुरक्षा सहयोग को लेकर बात हुई। जयशंकर ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा भारत की अपनी पहली राजकीय यात्रा की शुरुआत में राष्ट्रपति दिसानायके से मुलाकात करके खुशी हुई। श्रीलंका हमारे 'पड़ोस प्रथम' नीति और 'सागर आउटलुक' के लिए अहम है। मुझे विश्वास है कि प्रधानमंत्री मोदी के साथ उनकी बातचीत से दोनों देशों के बीच विश्वास और सहयोग बढ़ेगा।इससे पहले राष्ट्रपति दिसानायके ने कहा था कि उन्होंने विदेश मंत्री जयशंकर और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल के साथ अपनी बैठकों में पारस्परिक हितों पर उपयोगी चर्चा की। दिसानायके ने एक्स पर लिखा, आज शाम करीब साढ़े पांच बजे नई दिल्ली पहुंचा, जहां मुझे सूचना और प्रसारण राज्य मंत्री डॉ. एल. मुरुगन और अन्य अधिकारियों ने गर्मजोशी से स्वागत किया। आज रात एस. जयशंकर और अजीत डोभाल के साथ आपसी हितों पर महत्वपूर्ण चर्चा हुई।

भाजपा विधायक सीटी रवि पर हमले मामले में एक और एफआईआर; आरोप जान से मारने का था हमलावरों का इरादा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। मामला 19 दिसंबर को कर्नाटक विधान परिषद से शुरू

हुआ था। यहां रवि ने महिला और बाल कल्याण मंत्री लक्ष्मी हेब्बलकर के खिलाफ कथित तौर पर अपमानजनक टिप्पणियां की थीं। मामले की पुलिस से शिकायत भी की गई थी और सीटी रवि को गिरफ्तार भी किया गया था।कर्नाटक में भाजपा विधायक सीटी रवि मामले में रोज नए-नए घटनाक्रम सामने आ रहे हैं। इसी क्रम में भाजपा एमएलसी सीटी रवि पर हमला करने का प्रयास करने वाले व्यक्तियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। हमले का प्रयास बेलगावी सुवर्ण सौधा में 19 दिसंबर को किया गया था। बेलगावी के हिरेबागेवाड़ी पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज की गई है। इसमें आरोप लगाया गया कि सीटी रवि की जान को खतरा था और हमलावरों का इरादा उन्हें जान से मारने का था। कथित तौर पर यह घटना सचिव लक्ष्मी हेब्बलकर के खिलाफ सीटी रवि के आपत्तिजनक बयान के जवाब में हुई। शिकायत कानून की विभिन्न धाराओं के तहत दर्ज की गई, जिसमें बीएनएस 189(2), 191(2), 190, 126(2), 352 और 351(2) शामिल हैं।दरअसल, मामला 19 दिसंबर को कर्नाटक विधान परिषद से शुरू हुआ था। यहां रवि ने महिला और बाल कल्याण मंत्री लक्ष्मी हेब्बलकर के खिलाफ कथित तौर पर अपमानजनक टिप्पणियां की थीं। मामले की पुलिस से शिकायत भी की गई थी। इसे लेकर सिद्धारमैया सरकार ने सीटी रवि पर गंभीर आरोप लगाए थे। महिला आयोग की अध्यक्ष नागलक्ष्मी चौधरी ने विधान परिषद के अध्यक्ष बसवराज होरट्टी को पत्र लिखकर इस घटना की उच्चस्तरीय जांच करने की अपील की थी।पुलिस ने इसी दिन सीटी रवि को गिरफ्तार कर लिया था। हालांकि, कर्नाटक हाईकोर्ट ने उन्हें जमानत दे दी थी। कोर्ट ने कहा था कि गिरफ्तारी नियमों के अनुसार नहीं की गई थी। इससे पहले भाजपा एमएलसी ने पुलिस पर मानवाधिकारों का उल्लंघन करने का आरोप लगाया था। उन्होंने कहा कि पुलिस उन्हें पूरी रात जगह-जगह घुमाती रही। पुलिस शीर्ष स्तर के किसी नेता के निर्देश पर काम कर रही है। उन्होंने कार्रवाई को तानाशाही से प्रेरित बताया। हालांकि, कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने आरोपों को खारिज किया था। पुलिस कार्रवाई के दौरान भाजपा एमएलसी सीटी रवि का सड़क पर बैठकर पुलिस से सवाल करते हुए एक वीडियो सामने आया था। वीडियो में रवि पुलिस अधिकारियों से सवाल कर रहे थे। रवि कह रहे थे कि क्या तुम मुझे मारने की योजना बना रहे हो? मुझे यहां क्यों लाए हो? आपका इरादा मुझे मारने का है।

14 साल बाद भी मरीजों को अधिकार नहीं, सुप्रीम कोर्ट पहुंचा जनस्वास्थ्य अभियान

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। क्लीनिकल एस्टेब्लिशमेंट एक्ट 2010 देशभर में अस्पतालों के पंजीकरण और विनियमन से जुड़ा एक अधिनियम है जो संविधान के अनुच्छेद 47

के तहत सार्वजनिक स्वास्थ्य में सुधार के लिए बनाया गया। इसके तहत अस्पतालों की सेवाओं और सुविधाओं के न्यूनतम मानक तय किए गए हैं। प्रत्येक अस्पताल को आपातकालीन स्थिति में मरीजों को इलाज मुहैया कराना होता है।सरकार की अनदेखी के चलते बीते 14 साल से मरीजों को उनका अधिकार नहीं मिल पाया है। साल 2010 में लागू क्लीनिकल एस्टेब्लिशमेंट एक्ट (सीईए) अभी तक 12 राज्यों में लागू है लेकिन वहां भी निजी अस्पतालों का प्रभावी तरीके से नियमन नहीं हुआ है। अस्पतालों के शुल्क के नियमन की मांग को लेकर जन स्वास्थ्य अभियान ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की है।अभियान के सह संयोजक डॉ. अभय शुक्ला ने बताया कि भारत में अभी तक निजी अस्पतालों पर संपूर्ण नियमन लागू नहीं है। इसका सीधा असर मरीजों के अधिकारों पर पड़ रहा है। अस्पतालों में लाखों रुपये के बिल, रुपये न देने पर मृतक के शव को न सौंपना और शुल्क में पारदर्शिता न होने से जुड़े मामले अक्सर सामने आते हैं। मरीजों को इससे राहत दिलाने के लिए क्लीनिकल एस्टेब्लिशमेंट एक्ट (सीईए) लागू किया गया लेकिन अभी तक अरुणांचल प्रदेश, असम, बिहार, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, झारखंड, मिजोरम, राजस्थान, सिक्किम, तेलंगाना, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड में इसे लागू किया है।दरअसल क्लीनिकल एस्टेब्लिशमेंट एक्ट 2010 देशभर में अस्पतालों के पंजीकरण और विनियमन से जुड़ा एक अधिनियम है जो संविधान के अनुच्छेद 47 के तहत सार्वजनिक स्वास्थ्य में सुधार के लिए बनाया गया। इसके तहत अस्पतालों की सेवाओं और सुविधाओं के न्यूनतम मानक तय किए गए हैं।

विकसित भारत में चौधरी चरण सिंह की सोच और किसानों का पसीना अहम होगा', किसान दिवस पर बोले धनखड़

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी पूर्व प्रधानमंत्री चरण सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित की। पीएम ने उन्हें गरीबों और किसानों का सच्चा शुभचिंतक बताया। एक्स पर एक पोस्ट में मोदी ने कहा कि पूर्व पीएम का देश के प्रति समर्पण और सेवा की भावना सभी को प्रेरित करती रहेगी। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने सोमवार को किसान घाट पर पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह को पुष्पांजलि अर्पित की। इस दौरान उनके साथ केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी भी मौजूद थे। उपराष्ट्रपति ने कहा कि चौधरी चरण सिंह जी की जयंती पर भारत के सभी किसानों को मेरा नमन। 2001 में सही निर्णय लिया गया और किसान दिवस की शुरुआत की गई और ऐसे महापुरुष के नाम पर यह शुरू किया गया, जिन्होंने अपना जीवन किसानों, ग्रामीण जीवन, किसान विकास, देश के विकास के लिए समर्पित कर दिया।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि अगले वर्ष किसान दिवस के 25 वर्ष पूरे होंगे, हम सभी को संकल्प लेकर पूरे वर्ष कार्यक्रम करने हैं, ताकि हम किसानों के हित को सर्वोपरि रख सकें और मुझे उम्मीद है कि आज देश में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की 180 से अधिक संस्थाओं में बड़ी भारी सक्रियता होगी, क्योंकि आज का दिन बहुत महत्वपूर्ण है, जरूर घोष्ठियां होंगी और उसमें किसानों को आमंत्रित किया गया होगा। विकसित भारत अब हमारा सपना नहीं, बल्कि हमारा लक्ष्य है और इस लक्ष्य को प्राप्त करने में अगर कोई कृष्ण-अर्जुन की भूमिका निभाएगा तो वह चौधरी चरण सिंह जी की सोच और गांव के किसानों का पसीना होगा। इस बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पूर्व प्रधानमंत्री 'भारत रत्न' चौधरी चरण सिंह की 122वीं जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि राष्ट्र के प्रति उनका समर्पण और सेवाभाव हर किसी को प्रेरित करता रहेगा। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, 'गरीबों और किसानों के सच्चे हितैषी पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न चौधरी चरण सिंह जी को उनकी जयंती पर विनम्र श्रद्धांजलि।

केंद्र के रुख से तय होगी उपासना स्थल कानून की दिशा', कमेटी ने की वाद खारिज करने की मांग

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। शीर्ष अदालत उपासना स्थल अधिनियम को चुनौती देने वाली अर्जियों पर विचार कर रहा है और केंद्र को उसके समक्ष अपनी स्थिति स्पष्ट करनी है। मोहन भागवत की टिप्पणी के बाद राजस्थान की स्थानीय अदालत में केंद्र सरकार के अधीनस्थ दरगाह कमेटी ने दो दिन पहले अजमेर दरगाह बनाम संकट मोचन महादेव मंदिर विवाद में वाद खारिज करने का अनुरोध किया है। देश के अलग-अलग हिस्सों में मंदिर-मस्जिद विवाद के बढ़ते मामले के संदर्भ में संघ प्रमुख मोहन भागवत की टिप्पणी से सियासी हलचल तेज हो गई है। भागवत की टिप्पणी के बाद सबकी निगाहें उपासना स्थल अधिनियम-1991 पर केंद्र सरकार के भावी रुख पर है। शीर्ष अदालत इस अधिनियम को चुनौती देने वाली अर्जियों पर विचार कर रहा है और केंद्र को उसके समक्ष अपनी स्थिति

स्पष्ट करनी है। भागवत की टिप्पणी के बाद राजस्थान की स्थानीय अदालत में केंद्र सरकार के अधीनस्थ दरगाह कमेटी ने दो दिन पहले अजमेर दरगाह बनाम संकट मोचन महादेव मंदिर विवाद में वाद खारिज करने का अनुरोध किया है। हालांकि दरगाह कमेटी, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) और अल्पसंख्यक मंत्रालय ने इस विवाद में खुद को वादी बनाने की मांग भी की है। बड़ा सवाल है कि क्या केंद्र सरकार उपासना स्थल अधिनियम मामले में भी अजमेर दरगाह कमेटी जैसा ही रुख अपनाएगी? अजमेर और संभल में शाही मस्जिद पर दावे के बीच पुणे में संघ प्रमुख ने कहा था कि कुछ लोग सोचते हैं कि इस तरह के मंदिर-मस्जिद के विवाद को उठाकर वे हिंदुओं का नेता बन जाएंगे। भारत समावेशी संस्कृति के कारण एक राष्ट्र बना। ऐसे में एकता का अर्थ विविधता को खत्म कर एकरुपता कायम करना नहीं है। भागवत ने दो वर्ष पूर्व संघ पदाधिकारियों के प्रशिक्षण शिविर में कहा था कि हमें हर मस्जिद के पीछे शिवलिंग ढूंढ़ने की जरूरत नहीं है। इसके बाद छत्तीसगढ़ में एक कार्यक्रम में कहा कि देश के हिंदुओं और मुसलमानों का डीएनए एक है।इस मामले में सरकार के लिए रुख तय करना इतना आसान नहीं है। इस संदर्भ में संघ का एक रुख है, जबकि दूसरी ओर मस्जिदों, मजारों पर दावे वाले दर्जनों मामले अदालत के विचाराधीन हैं।

किसान सम्मान दिवस, एक दिवसीय जैविक मेला

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
प्रयागराज। स्व0 चौधरी चरण सिंह, भूतपूर्व प्रधानमंत्री के जन्म दिवस के अवसर पर डॉ0 संजय सिंह निदेशक भारतीय वानकीय अनुसंधान शिक्षा परिषद पुर्नस्थापन केन्द्र प्रयागराज, की अध्यक्षता में दिनांक 23.12.2024 को गोविन्द वल्लभ पन्त संस्थान झूंसी प्रयागराज परिसर के सभागार में किसान सम्मान दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ0 संजय सिंह निदेशक भारतीय वानकीय अनुसंधान शिक्षा परिषद पुर्नस्थापन केन्द्र प्रयागराज रहे। कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि द्वारा दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया। सर्वप्रथम उप कृषि निदेशक श्री एस0पी0 श्रीवास्तव द्वारा अतिथि को शोभागारका पौध प्रदान कर उनका स्वागत किया गया। जनपद प्रयागराज के अधिकतम उत्पादन प्राप्त करने वाले कृषि, पशुपालन, मत्स्य एवं उद्यान विभाग के 06-06 कृषकों को कुल 24 तथा कृषि विविधीकरण अपनाने वाले 01-01 पुरुष एवं महिला कृषकों को विशिष्ट पुरस्कार से डॉ0 संजय सिंह निदेशक भारतीय वानकीय अनुसंधान शिक्षा परिषद पुर्नस्थापन केन्द्र प्रयागराज द्वारा सम्मानित किया गया। डॉ0 शैलेन्द्र कुमार सिंह, कृषि वैज्ञानिकप्रसार नैनी प्रयाग द्वारा रबी आलू की बुवाई बारे में बताया गया। तकनीकी विधि से आलू की खेती करने पर विस्तृत चर्चा की गयी। उप कृषि निदेशक, प्रयागराज द्वारा कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारियों एवं सम्मानित कृषकों का स्वागत करते हुए मा0 स्व0 चौधरी चरण सिंह, भूतपूर्व प्रधानमंत्री जी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर चर्चा करते हुए सम्मानित होने वाले कृषकों की उपलब्धि के बारे में जानकारी दी तथा कृषकों को अधिक से अधिक संख्या में इस प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने हेतु जानकारी दी। शुआट्स संस्थान से आये कृषि वैज्ञानिक डा0 शेलेन्द्र कुमार सिंह, डा0 योगेश श्रीवास्तव तथा डा0 मनीष कुमार सिंह कृषि वैज्ञानिक कुलआश्रम डिग्री कालेज प्रयागराजद्वारा दैनिक जीवन में उपयोग के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से जानकारी प्रदान की गयी। शुआट्स संस्थान से आये कृषि वैज्ञानिक डा0 योगेश कुमार श्रीवातव द्वारा कार्यक्रम का संचालन किया गया तथा स्व0 चौधरी चरण सिंह जी जीवन परिचय के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से प्रकाश डाला गया। इस अवसर पर कृषि विभाग के अधिकारी, मुकेश कुमार, जिला कृषि रक्षा अधिकारी, सुरेन्द्र प्रताप सिंह, भूमि संरक्षण अधिकारी, विकास मिश्रा अपर जिला कृषि अधिकारी, जिला उद्यान अधिकारी, सहायक निदेशक, मत्स्य प्रयागराज व कृषि विभाग के समस्त कर्मचारियों के साथ-साथ भारी संख्या में जनपद के प्रगतिशील कृषकों द्वारा प्रतिभाग किया गया। अन्त में मुकेश कुमार, जिला कृषि रक्षा अधिकारी प्रयागराज द्वारा धन्यवाद ज्ञापन कर किसान सम्मान दिवस का समापन किया गया।

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र में राष्ट्रीय किसान दिवस मनाया गया

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
प्रयागराज। प्रदीप कुमार झा निदेशक (विस्तार) नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र ने बताया किआज हमारे देश के अन्नदाताओं को सम्मानित करने का दिन है - राष्ट्रीय किसान दिवस। यह दिन हमारे देश के पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की जयंती के अवसर पर मनाया जाता है, जिन्होंने किसानों के हितों की रक्षा के लिए अपना जीवन समर्पित किया था □।राष्ट्रीय किसान दिवस के अवसर पर समन्वयक मोहम्मद कौसर ने कहा कि किसान हमारे देश की रीढ़ हैं, और उनकी मेहनत के बिना हमारा जीवन असंभव होगा। इसलिए, यह दिन हमें किसानों के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर प्रदान करता है इस अवसर पर,नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र किसानों के लिए विभिन्न प्रशिक्षण की घोषणा करते हैं, जिनका उद्देश्य उनकी आय में वृद्धि करना, उनकी सामाजिक स्थिति में सुधार करना, और उनके जीवन को बेहतर बनाना है हम किसानों से अपील करते हैं कि वे अपने अधिकारों के लिए जागरूक रहें हम उनके साथ मिलकर काम करने के लिए प्रतिबद्ध हैं और उनके लिए एक बेहतर भविष्य का निर्माण करने के लिए प्रयासरत हैं। अंत में, नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र किसानों को राष्ट्रीय किसान दिवस की शुभकामनाएं देते हैं और उनके योगदान के लिए धन्यवाद देते हैं।कार्यक्रम में रोहित शुक्ला, जोसेफ अमितेश, अंकित आदि ने सक्रिया भूमिका निभाई।

डीएम ने किसान सम्मान दिवस/किसान मेला एवं जैविक बाजार व मिलेट्स गैलरी का फीता काटकर कर किया उदघाटन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
रायबरेली। भारत के पूर्व प्रधानमंत्री स्व0 चौधरी चरण सिंह के जन्मदिवस के अवसर पर कृषि भवन, बस्तेपुर रोड, गोरा बाजार, रायबरेली में आयोजित किसान सम्मान दिवस/जैविक मेले एवं जैविक बाजार व मिलेट्स गैलरी का जिलाधिकारी हर्षिता माथुर द्वारा फीता काटकर शुभारम्भ कर अवलोकन किया गया। जिलाधिकारी ने कहा कि जैविक बाजार स्थापित करने का उद्देश्य यह है कि जनपद के गंगा नदी के किनारे पाँच विकास खण्डों में नमामि गंगे योजना के अन्तर्गत गठित जैविक क्लस्टरों के कृषकों द्वारा उत्पादित जैविक अनाज, जैविक दालें, जैविक फल एवं सब्जियों तथा अन्य जैविक उत्पाद जनपद वासियों को सुलभ हों, प्रयास यह किया जा रहा है कि जैविक खेती करने वाले किसानों को उनके उत्पाद का वाजिब कीमत मिल सके और उपभोक्ताओं को भी प्रमाणित जैविक उत्पाद मुनासिब दाम पर मिल सके। इसी दौरान जिलाधिकारी ने कृषि भवन में मृदा परीक्षण प्रयोगशाला का अवलोकन कर कार्यो की जानकारी ली। इसके पश्चात जिलाधिकारी ने आयोजित किसान सम्मान दिवस का दीप प्रज्ज्वलित कर व पूर्व प्रधानमंत्री स्व0 चौधरी चरण सिंह जी के चित्र पर माल्यार्पण कर शुभारम्भ किया। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने अपने उद्बोधन में कहा कि आज के आयोजित किसान मेले में कृषि व कृषकों से सम्बन्धित सरकार की जितनी भी योजनाएं संचालित है, उनका प्रदर्शन किया गया है। जिससे किसान उसका अवलोकन कर लाभान्वित हो। उन्होंने कहा कि कृषि योजनाओं, उत्पादों और कृषि, यंत्रों के प्रयोग के प्रति कृषकों को जागरूक करें। कृषि यंत्रों, बीजो, उत्पादों, जैविक खादों के बारे में जितना अधिक लोगों को जानकारी प्राप्त होगी वे उसका अधिक से अधिक लाभ प्राप्त कर सकेंगे मुख्य विकास अधिकारी अर्पित उपाधय ने कहा कि सरकार की कृषकों के लिये आ रही योजनाओं का लाभ लेकर नई नई तकनीकी को सिखकर किसान अपने उत्पादन को बढ़ाकर अपनी आय बढ़ा सकते हैं।

NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE
(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)
सर्टिफिकेट इन फायर सेफ्टी एण्ड इण्डस्ट्रीयल सिक्योरिटी
फायर सेफ्टी पर जिसकी कमाण्ड, उसकी ही है ग्लोबल डिमाण्ड
कोर्स के बाद सेफ्टी सुपरवाइजर, फायर प्रोटेक्शन, सिक्योरिटी एडमिनिस्ट्रेटर आदि विभिन्न पदों पर नियुक्ति मिल जाती है।
रिलीफ एजेन्सी N.G.O., डिफेन्स सर्विसेज फायर सर्विस आर्डिनेन्स फैक्ट्री, महानगर पालिका, नगर निगम, एयरपोर्ट, पावर प्लांट, स्टील प्लान्ट, माइनिंग इन्डस्ट्रीज,पेट्रोलियम कम्पनी, फूड इण्डस्ट्रीज, रिफाइनरीज, टेक्सटाइल मिल, टावर कम्पनी, इलेक्ट्रानिक कम्पनी, कोयले की खदानों एवं जहाजों आदि क्षेत्रों में फायर सेफ्टी के जानकारों को बहुत अधिक मौका मिलता है

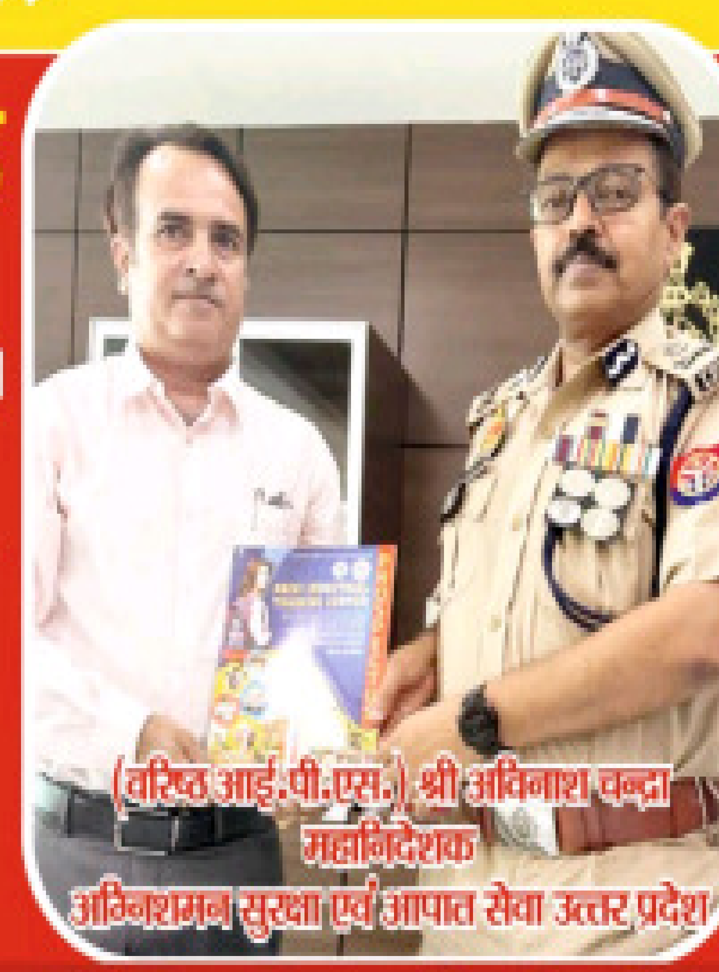

नोटः फायर सेफ्टी कोर्स करें और देश -विदेश, सरकारी और प्राइवेट क्षेत्रों में अच्छे पैकेज के साथ नौकरी पायें।
Visit us at www.nainiiti.com Call: 9415608710, 7459860480
Enjoy Publicity

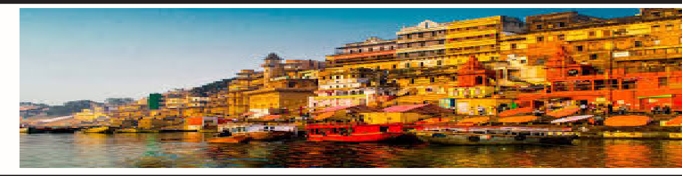

सरकार में रहकर सरकार के खिलाफ आंदोलन की तैयारी में जुटे राष्ट्रीय लोक दल के नेता

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र, । एक तरफ सरकार लगातार आदिवासियों वनवासियों को आगे बढ़ाने और मजबूत बनाने की कवायद में स्किल इंडिया के माध्यम से दर्जनों जन कल्याणकारी योजनाएं चला रही है और दूसरी तरफ सोनभद्र में तैनात अधिकारी सरकार की मंशा के खिलाफ लगातार गरीबों का दोहन करने में व्यस्त हैं। आज भारत के पूर्व प्रधानमंत्री एवं किसान मसीहा रहे चौधरी चरण सिंह के 122 वें जन्मदिन पर उनकी प्रतिमा को माल्यार्पण करने सिंचाई डाक-बंगला सोनभद्र पहुंचे राष्ट्रीय लोकदल के क्षेत्रीय संगठन महासचिव प्रयागराज क्षेत्र श्रीकांत त्रिपाठी ने जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन सोनभद्र पर भूमाफियाओं को संरक्षण देने का गंभीर आरोप लगाते हुए उपरोक्त उद्गार व्यक्त किया। राष्ट्रीय लोक दल के नेता श्रीकांत त्रिपाठी ने कहा कि सोनभद्र के नगवां विकास खंड में सरकार ने बिजली उत्पादन हेतु सरकारी भूमि का आवंटन निजी कंपनियों को किया है, जिसपर तेजी से काम भी चल रहा है सोनभद्र के नगवां विकास खंड के दूरुह क्षेत्रों में। श्रीकांत त्रिपाठी ने बताया कि कंपनियों की हो स्थापना को देखते हुए पूर्वांचल के बड़े भूमाफियाओं की उन क्षेत्रों में दखल का मुख्य कारण है। बताया कि भूमाफियाओं के एजेंटों द्वारा कंपनियों में नौकरी दिलाने के नाम पर गुमराह करते हुए नौकरी की फारमेलिटी पुरी करवाने के नाम पर कचहरी लाया गया और यहां उन्हें अंधेरे में रखकर उनकी पुस्तैनी या पट्टा की जमीनों को लिखवा लिया गया है, जो समझदार निकले और विरोध किया तो कमरा बंद करके जमीनों के पेपर पर हस्ताक्षर करवा लिया गया है जो बेहद दुर्भाग्यपूर्ण तथा दुखद है। श्रीकांत त्रिपाठी ने बताया कि मामला प्रकाश में आने पर सोनभद्र पुलिस अधीक्षक द्वारा गैरजिम्मेदाराना उत्तर दिया गया है। राजस्व विभाग के साथ साथ सोनभद्र पुलिस का भी संरक्षण भूमाफियाओं को प्राप्त है जो और चिंता का विषय है। श्रीकांत त्रिपाठी ने कहा कि यदि जिला प्रशासन एक सप्ताह के अंदर मामले की उच्चस्तरीय जांच कराकर बसुहारी, पोखरिया गांव में हुए बैनामों को निरस्त नहीं करता है तो राष्ट्रीय लोक दल हजारों आदिवासियों के साथ बड़ा आंदोलन करेंगे और जरुरत पड़ी तो लखनऊ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मिलकर मामले में हस्तक्षेप करने और आदिवासियों को उनकी भूमि वापस दिलाने की मांग राष्ट्रीय लोक दल करेगा। इस मौके पर राष्ट्रीय लोक दल के सोनभद्र जिलाध्यक्ष रामसेवक पटेल, युवा रालोद प्रदेश सचिव श्री विवेक चतुर्वेदी, युवा रालोद जिलाध्यक्ष प्रशांत विष्णु प्रताप सिंह,अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष इबरार अली, अनुसूचित प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश भारती,युवा नेता निर्भय पटेल,अनिल सिंह डब्लू,पवन शुक्ल, चंद्रभान सिंह भोला बाबा, विकास पांडे, सूरज चौबे ।

चाचा नेहरु पार्क से गुरुद्वारा भाजपाइयों ने निकली प्रभातफेरा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र, । भारतीय जनता पार्टी द्वारा चल रहे वीर बाल दिवस कार्यक्रम के अन्तर्गत सोमवार को चाचा नेहरु पार्क से प्रभातफेरी व गुरुद्वारा में भजन किर्तन का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम मे बतौर मुख्यअतिथि के रुप में सदर विधायक भूपेश चौबे व भाजपा जिलाध्यक्ष नन्द लाल उपस्थित रहे। कार्यक्रम मे मुख्यअतिथि सदर विधायक भूपेश चौबे ने कहा कि 9 जनवरी, 2022 को श्री गुरु गोबिंद सिंह के प्रकाश पर्व के दिन प्रधानमंत्री ने यह घोषणा की थी कि 26 दिसंबर को गुरु गोबिंद सिंह के पुत्रों- साहिबजादे बाबा जोरावर सिंह और बाबा फतेह सिंह जी की शहादत की स्मृति में वीर बाल दिवस के रूप में मनाया जाएगा। और कहा कि चमकौर और सरहिन्द के युद्ध में जो कुछ हुआ वह ना तो भूतो ना भविष्यति था यह युद्ध हजारो साल पुराना नही है कि उसकी यादे धुंधली हो गयी है। यह इस देश में तीन सदी पहले ही हुआ था एक तरफ कट्टर मुगल सल्तनत थी तो वही ज्ञान और तपस्या मे तपे हुए हमारे गुरु थे एक तरफ आतंक की पराकाष्ठा थी तो दूसरी तरफ आध्यात्म का शीर्ष एक तरफ लाखों की फौज थी तो दूसरी तरफ अकेले ही नीडर खड़े वीर साहिबजादे थे आज उसी क्रम में यह कार्यक्रम सम्पन्न हो रहा है। इस मौके पर भाजपा जिलाध्यक्ष नन्द लाल ने कहा कि दुर्भाग्य से हमे इतिहास के नाम पर वो गढ़े हुए नैरेटिव बताये और पढ़ाये जाते रहे जिनसे हमारे भीतर हीन भावना पैदा हो इसके बाद भी हमारे समाज और परंम्पराओं ने इन गौरव गाथाओं को जिन्दा रखा यदि हमे भारत को भविष्य सफलता के शीखरों तक ले जाना है तो हमे अतीत के संकुचित नजरियों से भी आजाद होना पड़ेगा जोरावन सिंह साहब और फतेह सिंह साहब को जिन्दा दीवार मे चुनवा दिया गया एक तरफ नृशंसता ने अपने सारे किर्तीमान तोड़ दिये तो वही धैर्य ने भी अपनी पराकाष्ठा दिखायी जिस देश की विरासत ऐसी हो उसके स्वाभाविक रुप से स्वाभिमान और आत्म विश्वास कूट कूट कर भरा होना चाहिए आने वाले 27 दिसंबर तक वीर बाल दिवस के उपलक्ष्य मे लगातार कार्यक्रम चलते रहेंगे आज इस अवसर आप सभी अतिथियों व कार्यकर्ताओं सहित उपस्थित सभी जनमानस को प्रणाम करते हुए आभार प्रकट करता हूं। इस मौके पर पूर्व जिलाध्यक्ष धर्मवीर तिवारी, उदयनाथ मौर्या, ओमप्रकाश दूबे, रामसुन्दर निषाद, शंम्भू नारायण सिंह, संतोष शुक्ला, बलराम सोनी, प्रकाश केशरी, बृजेश श्रीवास्तव, अनूप तिवारी, विनय श्रीवास्तव, संजय जायसवाल, आशीष केशरी, अतुल पाण्डेय, धर्मवीर त्यागी, प्रिंस पाण्डेय, उत्कर्ष पाण्डेय, पुष्पा सिंह, गुडिया त्रिपाठी, रुबी गुप्ता, अंशू अग्रहरी सहित गुरुद्वारा समिति के सदस्यगण व आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

डीएम ने सुशासन सप्ताह के अन्तर्गत जिला स्तरीय कार्यशाला का किया शुभारम्भ

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
रायबरेली। जिलाधिकारी हर्षिता माथुर ने विकास खण्ड राही के सभागार में सुशासन सप्ताह- प्रशासन गांव की ओर कार्यक्रम के तहत आयोजित जिला स्तरीय कार्यशाला का शुभारम्भ किया। जिलाधिकारी ने आयोजित कार्यशाला में आंगनबाड़ी केन्द्र हेतु, बाल मैत्री किट जिसमें 01 नवजात शिशु के वजन हेतु डिजिटल मशीन, 01 वयस्क हेतु डिजिटल वजन मशीन, 02 प्लास्टिक कुर्सी, 01 डिजिटल थर्मामीटर, एक दरी, दो पर्दे एवं एक बी0पी0 मशीन आदि का वितरण किया। उक्त किट का वितरण ग्राम स्वास्थ्य पोषण स्वच्छता समिति निधि से किया गया। जिलाधिकारी के निर्देश पर सभी खातों को संचालित कराते हुए आंगनबाड़ी केन्द्रों हेतु किट का वितरण किया गया है। कार्यक्रम में स्वास्थ्य विभाग से मेडिकल किट का भी वितरण किया गया है। इस प्रकार जनपद में 25 दिसम्बर 2024 तक 424 ग्राम पंचायतों में किट का वितरण कर दिया जायेगा।इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी अर्पित उपाध्याय, जिला पंचायत राज अधिकारी सौम्यशील सिंह, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ0 नवीन चंद्रा, जिला स्वास्थ्य शिक्षा एवं सूचना अधिकारी डी0एस0 अस्थाना सहित सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

सीडीओ ने खुरपका-मुंहपका टीकाकरण अभियान के पांचवें चरण का किया शुभारम्भ

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
रायबरेली। राष्ट्रीय पशु रोग नियंत्रण कार्यक्रम (एन0ए0डी0-सी0पी0) योजनान्तर्गत गोवंशीय एवं महिषवंशीय में एफ0एम0डी0-सी0पी0 खुरपका-मुँहपका टीकाकरण अभियान के पांचवें चरण का शुभारम्भ मुख्य विकास अधिकारी अर्पित उपाध्याय द्वारा विकास भवन रायबरेली में मोबाइल वेटरनरी यूनिट चिकित्सा वाहन एवं सचल पशु चिकित्सा वाहनों को हरी झण्डी दिखाकर किया गया है। उन्होंने बताया कि गोवंशीय एवं महिष वंशीय पशुओं में खुरपका-मुंहपका रोग नियंत्रण व बीमारी के पूर्ण उन्मूलन के लिए 45 दिवसीय सघन टीकाकरण अभियान 23 दिसम्बर 2024 से 05 फरवरी 2025 तक जनपद के समस्त ग्राम पंचायतों एवं राजस्व ग्रामों सहित शहरी नगर पंचायतों में विकास खण्ड स्तरीय उप मुख्य/पशु चिकित्साधिकारियों के नेतृत्व में गठित टीकाकरण टीमों द्वारा संचालित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि टीकाकरण कार्यक्रम में चार माह से छोटे पशुओं और आठ माह के गर्भित पशुओं को खुरपका मुंहपका रोग का टीका नहीं लगाया जाएगा। मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ अनिल कुमार ने बताया कि यह बीमारी जुगाली करने वाले पशुओं के स्वास्थ्य के लिए नुकसानदेह है। यह अत्यंत संक्रामक एवं घातक विषाणु जनित रोग है। इस बीमारी के प्रमुख लक्षणों में पशुओं को तेज बुखार तथा मुंह मसूड़े, जीभ के ऊपर, नीचे ओठ के अंदर का भाग, खुरों के बीच की जगह पर छोटे-छोटे दाने उभर आते हैं।

सोनभद्र, मिर्जापुर

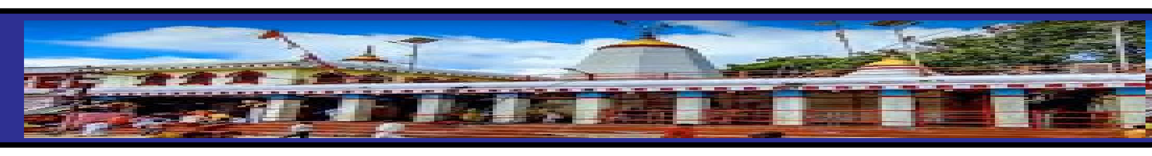

देश के संसदीय इतिहास में दर्ज हो गई बीजेपी:राम राज गोड

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। नि. कांग्रेस जिला अध्यक्ष राम राज गोड ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए बताया कि 18वीं लोकसभा के

शीतकालीन सत्र सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी द्वारा संविधान और संविधान निर्माता बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर के अपमान के लिए देश के संसदीय इतिहास में दर्ज हो गया है. बीजेपी हमेशा से लोकतंत्र और संवैधानिक मूल्यों के प्रति तिरस्कार दिखाने का कोई मौका नहीं छोडती. इस बार तो हद ही पार कर दी. संविधान के पचहत्तर वर्ष पूरे होने पर कांग्रेस समेत इंडिया गठबंधन के दलों ने संसद में सरकार से संविधान पर चर्चा की माग रखी अडानी, मणिपुर, संभल जैसे मामलों पर सदन में बहस की मांग लगातार ठुकराए जाने के बाद प्रतिपक्ष की संविधान पर चर्चा की मांग मान ली गई. इस मौके पर कांग्रेस समेत सभी दलों ने सरकार को लोकतांत्रिक और संवैधानिक मूल्यों की प्रतिबद्धता याद दिलाई. समता, समानता और न्याय के डॉ अंबेडकर के आदर्शों पर चलने की सलाह बीजेपी को कतई रास नहीं आई. सत्तापक्ष ने लगातार विपक्ष को बोलने से रोकने की कोशिश की. यही नहीं, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने डॉ. अंबेडकर का अपमान कर संघ और बीजेपी की मनुवादी मानसिकता उजागर कर दी. अमित शाह ने कहा कि ठअभी एक फैशन हो गया है अंबेडकर, अंबेडकर, अंबेडकर, अंबेडकर, अंबेडकर, अंबेडकर। इतना नाम अगर भगवान का लेते तो सात जन्मों तक स्वर्ग मिल जाता।आरक्षण खत्म करने की साजिश के तहत बीजेपी की संविधान बदलने की कोशिश को 2024 के आम चुनाव में जनता ने नाकाम कर दिया था और वैसाखी सरकार बना कर लोकतांत्रिक मूल्यों का पाठ पढ़ाया था. लेकिन बीजेपी ये खीज अब संविधान निर्माता पर निकाल रही है और बाबा साहेब का अपमान किया गया है. लेकिन दुख की बात ये है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमित शाह को सीख देने के बजाय आरोप-प्रत्यारोप की राजनीति तेज कर दी.कांग्रेस समेत प्रतिपक्ष ने पीएम मोदी से अमित शाह के इस्तीफे की मांग की है. लेकिन मोदी सरकार डॉ. अंबेडकर के अपमान को अपराध मानने को तैयार नहीं है. उल्टे बीजेपी ने संसद की कार्रवाई ठप्प रखी. यही नहीं अपनी मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे कांग्रेस सांसदों के साथ धक्कामुक्की की गई. पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को गिरा दिया गया. बीजेपी ने षड़यंत्र के तहत नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के खिलाफ संगीन धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज करा दी गई.बीजेपी और उसकी मातृसंस्था हमेशा से डॉ. आंबेडकर और संविधान विरोधी रही है. इन्होंने न सिर्फ संविधान के निर्माण के समय से ही विरोध किया, बल्कि इससे पहले डा. आंबेडकर को चुनाव हरवाया था.कांग्रेस डॉ. आंबेडकर के अपमान को लेकर अमित शाह के इस्तीफे की मांग पर अटल है. जब तक अमित शाह इस्तीफा नहीं देंगे, हम विरोध प्रदर्शन जारी रखेंगे. इस मौके पर शहर अध्यक्ष राजीव त्रिपाठी जितेंद्र पासवान आशुतोष दुबे गोपाल स्वरूप पाठक श्रीकांत मिश्रा आदि कार्यकर्ता मौजूद थे।

क्षेत्राधिकारी पिपरी द्वारा थाना पिपरी में एवं समस्त थाना/चौकी प्रभारियों द्वारा बैंक व उसके आसपास की जा रही चेकिंग

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। जनपद में स्थित बैंकों व व्यवसायिक प्रतिष्ठानों की

चाक चौबंद सुरक्षा व्यवस्था के दृष्टिगत अशोक कुमार मीणा, पुलिस अधीक्षक सोनभद्र के निर्देशन में क्षेत्राधिकारी पिपरी अमित कुमार द्वारा थाना पिपरी क्षेत्रान्तर्गत स्थित विभिन्न बैंको में एवं समस्त थाना/चौकी प्रभारियों द्वारा बैंकों व उसके आस-पास सघन चेकिंग की जा रही है । थाना व चौकी प्रभारियों सहित चेकिंग हेतु गठित पुलिस टीमों द्वारा थाना क्षेत्र अंतर्गत सभी बैंक/पोस्ट ऑफिस/ ग्राहक सेवा केंद्र व व्यवसायिक प्रतिष्ठानों/ सर्राफा बाजार व उसके आसपास संदिग्ध व्यक्ति, वस्तु व वाहनों की सघन चेकिंग की जा रही है । इस दौरान पुलिस टीमों द्वारा सुरक्षा के दृष्टिगत बैंक प्रबंधकों से वार्ता की गयी तथा आपातकालीन सुरक्षा उपकरणों की चेकिंग तथा बैंकों में लगे सीसीटीवी कैमरों व अलार्म की भी परखी व्यवस्था गई तथा अनावश्यक रुप में घूमने वाले व्यक्तियों को आवश्यक हिदायत दी गयी । इस दौरान बैंक सुरक्षा ड्यूटी में लगे सुरक्षाकर्मियों एवं पुलिसकर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये ।

क्षेत्रीय अपर सचिव ने प्रधानाचार्यो के साथ की बैठक

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। राबट्र्सगंज स्थित राजा शारदा महेश इंटर कालेज परिसर मे सोमवार को माध्यमिक

शिक्षा परिषद वाराणसी के क्षेत्रीय सचिव डा विनोद राय ने जनपद के प्रधानाचार्यो एवं शिक्षकों के साथ एक बैठक कर यूपी बोर्ड परीक्षा 2025 के सफल संचालन हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिया।उन्होंने कहा कि बोर्ड परीक्षा प्रत्तेक वर्ष आप सभी के सहयोग से सकुशल सम्पन्न कराई जाती रही है,फिर भी अति उत्साह मे किसी भी प्रकार की कोई गलती न हो जाय इसके लिए सतर्कता बरतनी अति आवश्यक है।आप के छोटी सी भूल से इतने दिनों की कड़ी मेहनत और आप के द्वारा अर्जित प्रतिष्ठा तार तार हो जाती है,इस लिए बोर्ड परीक्षा को सकुशल सम्पन्न कराने के लिए अब से ही तैयारी सुरु कर दी जाय।उन्होंने प्रधानाचार्य गणो को आश्वस्त किया कि क्षेत्रीय कार्यालय मे किसी भी प्रकार की कोई असुविधा होने अथवा किसी कार्य मे विलम्ब होने पर मेरे मोबाइल नंबर पर मुझे अवगत कराये,मेरा प्रयास है कि किसी भी प्रकार की कोई समस्या प्रधानाचार्य गणो को न होने पाये।हम आप की छोटी बड़ी सभी समस्याओ को अविलम्ब समाधान कराने के लिए हर सम्भव प्रयास करेंगे।विद्यालय परिसर मे क्षेत्रीय सचिव के आगमन पर विद्यालय के प्रधानाचार्य डा बृजेश सिंह,प्रबंध संचालक ऋषिकेश पाठक,सदर ब्लाक प्रमुख अजीत रावत द्वारा गुलदस्ता एवं अंगवस्त्र के साथ स्मृति चिंह प्रदान कर स्वागत अभिनंदन किया।इस मौके पर राजकीय इंटर कालेज के प्रधानाचार्य डी पी सिंह,विवेकानंद मिश्र,माध्यमिक शिक्षक महासभा के प्रदेश उपाध्यक्ष उमाकांत मिश्र,जिलाध्यक्ष उमाकांत शुक्ल,रमाकांत कुशवाहा,माध्यमिक शिक्षक संघ शर्मा गुट के जिलाध्यक्ष सुनील राव,कोषाध्यक्ष राकेश शुक्ल के साथ दो दर्जन से अधिक प्रधानाचार्य शिक्षक शिक्षिका उपस्थित रहे।

मजदूरी कराने ले जा रहे चार नाबालिक बच्चों को किया गया रेस्क्यू

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
दुद्धी। थाना अतंर्गत कस्बा मे चार नाबालिक बच्चो को कुछ संदिग्ध लोगो द्वारा मजदूरी कराने के मकसद से हैदराबाद ले जाया हुए सभी नाबालिक बच्चो को बाल कल्याण समिति सोनभद्र के समक्ष प्रस्तुत करने हेतु ले जाया गया। ओ आर डब्ल्यू शेषमणि दुबे द्वारा बताया गया कि यदि इस तरह

जा रहा था जिसकी सूचना मिलते ही थाना दुद्धी द्वारा सभी बच्चो को और ले जाने वाले ब्यक्ति को रोका गया जिसकी सूचना जिला बाल संरक्षण अधिकारी एवं थाना मानव तस्करी रोधी को दिया गया जिसके क्रम में जिला बाल संरक्षण अधिकारी द्वारा तत्काल कार्यवाही करने हेतु जिला बाल संरक्षण इकाई को निर्देशित किया गया जिसके पश्चात जिला बाल संरक्षण इकाई व थाना मानव तस्करी रोधी टीम द्वारा तत्काल दुद्धी थाने कस्बा पहुंचकर विधिक कार्यवाही करते की घटना संबंधित सूचना प्राप्त होती हैं तो तत्काल सूचना चाइल्ड हेल्पलाइन टोल फ्री नंबर 1098 पर दिया जा सकता है। सूचना देने वाले व्यक्ति का नाम व पता गोपनीय रखा जाता है। मौकेपर पर थाना दुध्दी से बाल कल्याण पुलिस अधिकारी उप निरीक्षक योगेन्द्र सिंह,जिला बाल संरक्षण इकाई से सरंक्षण अधिकारी रोमी पाठक, गायत्री दुबे,ओ आर डब्लू शेषमणि दुबे, मानव तस्करी रोधी से मुख्य आरक्षी धनंजय यादव आरक्षी पंकज कुमार उपस्थित रहे।

नगर पालिका नगर निकायों में सुनी गई जनसुनवाई की समस्या

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। उ0प्र0 शासन द्वारा जन शिकायतों की सुनवाई तथा उनका गुणवत्तापूर्ण ढंग से निस्तारण के

लिये प्रत्येक सोमवार को नगरीय निकायों में समाधान दिवस सम्भव का आयोजन हेतु दिये गये आदेश के क्रम में सोमवार को नगर पालिका परिषद सोनभद्र में विजय कुमार यादव अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद सोनभद्र की अध्यक्षता में जनसुनवाई (सम्भव) दिवस का आयोजन किया गया। तत्कम में जनसुनवाई (सम्भव) दिवस में प्राप्त शिकायतें क्रमशः नगर पालिका परिषद सोनभद्र में 4, नगर पंचायत घोरावल में 2, नगर पंचायत चुर्क घुर्मा में 2. नगर पंचायत चोपन में 3, नगर पंचायत ओबरा में 2, नगर पंचायत रेनुकूट में 5. नगर पंचायत पिपरी में 2, नगर पंचायत दुद्धी में 2, नगर पंचायत डाला बाजार में 1, नगर पंचायत अनपरा में 3, समस्त निकायों को मिलाकर कुल 26 शिकायतें प्राप्त हुई जिनमें मुख्य रूप से साफ-सफाई, पेयजल व मार्ग प्रकाश, से सम्बन्धित सभी शिकायतों का तत्काल निस्तारण कराया गया। विजय कुमार यादव, अधिशासी अधिकारी / नोडल अधिकारी, नगर पालिका परिषद सोनभद्र द्वारा बताया गया कि जनता की समस्याओं से रूबरू होने व उसका समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण निस्तारण शासन की शीर्ष प्राथमिकता पर है इस पर तत्परतापूर्वक कार्यवाही की जा रही है। इस दौरान नगर के वार्ड सदस्यगण मनोज चौबे, अशोक, राकेश, अनवर अली, प्रदीप कुमार सिंह आदि लोग उपस्थित रहे।

विधायक खेल महाकुंभ 2024-25 की तैयारी पुर्ण

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। 25 दिसंबर पूर्व प्रधानमंत्री श्रद्धेय अटल बिहारी बाजपेयी जी की जयंती से

राबट्र्सगंज के हाइडिल मैदान पर शुरू होने वाले विधायक खेल महाकुंभ की तैयारी बैठक सदर विधायक भूपेश चौबे के आवास/ कार्यालय पर संपन्न हुयी। व साथ ही तैयार का जायजा लेने हाइडिल मैदान पहुंचे एक एक तैयारी के बारे में समीक्षा किया विधायक खेल महाकुंभ में प्रतिभाग करने के लिये क्षेत्र के खिलाड़ियों में ग़ज़ब का उत्साह है। सदर विधायक भूपेश चौबे को अपने विधानसभा के खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा को निखारने का एक शानदार अवसर प्रदान करने के लिये लगातार प्रेरित कर है साथ में पुर्व विधायक तीर्थ राज पुर्व जिला अध्यक्ष रमेश मिश्रा पुर्व जिला पंचायत अध्यक्ष अमरेश पटेल ज़िला मंत्री सन्तोष शुक्ला नगवा प्रमुख आलोक सिंह जिला मिडिया प्रभारी अनूप तिवारी अजय कुमार पाण्डेय रजनीश रघुवंशी गौरव शुक्ल सहित सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

व्यापारियों संग बैठक में समस्याओं पर हुई चर्चा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। रावटसगंज में सोमवार को पिछड़ा वर्ग आयोग के उपाध्यक्ष सोहनलाल श्रीमाली एवं भाजपा जिला अध्यक्ष नंदलाल गुप्ता का आगमन उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार संगठन के जिला अध्यक्ष कौशल

शर्मा के आवास पर हुआ जहां व्यापारियों ने माल्यार्पण अंगवस्त्र एवं गुलदस्ता भेंट करके उनका स्वागत एवं अभिनंदन किया उन्होंने नगर के व्यापारियों संग बैठक की नगर की समस्याओं को सुना एवं शीघ्र निराकरण का आश्वासन दिया संगठन के जिला अध्यक्ष कौशल शर्मा ने कहा कि एक समस्या विगत कई वर्षों से चली आ रही है और इसे विभिन्न पटल पर उठाया भी जा चुका है उन्होंने कहा कि नगर की आबादी लगभग डेढ़ लाख है बावजूद इसके कोई सिटी अस्पताल नहीं है जिला अस्पताल की दूरी नगर से लगभग 5 किलोमीटर होने के कारण एवं साधन की अनुपलब्धता के कारण नगर निवासियों को रात में जिला अस्पताल जाने में कोई साधन उपलब्ध नहीं हो पाता है जिसके कारण यहां के रह वासियों को अत्यंत कठिनाई का सामना करना पड़ता है जबकि पूर्व में संचालित संयुक्त चिकित्सालय की बिल्डिंग भी लगभग खाली पड़ी है उन्होंने कहा कि नगर में रात्रि में कोई मेडिकल स्टोर न खुलने के कारण जीवन रक्षक दवाई नहीं मिल पाती है उन्होंने मंत्री का ध्यान आकृष्ट कराते हुए कहा कि रावटसगंज नगर सैकड़ो साल पुराना है और यहां पिछले छः दशक से जो लोग अपनी भूमि पर काबिज हैं वह भी फ्री होल्ड नहीं हो सका जिसके कारण आए दिन जमीन विवाद बढ़ता जा रहा है उन्होंने यह भी कहा कि व्यापार संगठन द्वारा कई पटल पर यह समस्या उठाए जाने के बाद बाद सर्वे का कार्य शुरू हुआ परंतु 2 वर्ष भी जाने के उपरांत भी सूची प्रकाशित नहीं की गई जबकि सूची प्रकाशित होने के बाद भी कई तरह की आपत्तियों में और भी समय लग सकता है उन्होंने मंत्री के माध्यम से ज्ञापन प्रेषित कर सरकार को सूचित करने का भी आग्रह किया।श्री शर्मा ने कहा कि सरकार उद्योग बंधु की मीटिंग इस उद्देश्य से कराती है कि व्यापारियों की समस्याओं का समाधान एक ही पटल पर हो जाए जहां जिले के सारे अधिकारी मौजूद रहते हैं परंतु कार्यालय उपायुक्त उद्योग द्वारा जो कार्यवृत्ति पत्र बनाया जाता है उसमें व्यापारियों द्वारा उठाए गए जनहित के मुद्दों को अंकित नहीं किया जाता जिसके कारण संबंधित विभाग से उसका निराकरण नहीं हो पता इस संबंध में भी मंत्री को ज्ञापन प्रेषित किया गया श्री शर्मा ने कहा निदेशक अल्पसंख्यक कल्याण उत्तर प्रदेश ने अपने पत्रांक 521/ अ.स.क.नि/स्था/797/बिबिध/टी.सी./ 22 दिनांक 11 में 2022 इस बात का स्पष्ट उल्लेख किया है कि शासन से आय ,जाति, निवास, प्रमाण पत्र की भांति अल्पसंख्यक समुदाय को अल्पसंख्यक प्रमाण पत्र निर्गत किए जाएं इसमें खासकर सिख, बौद्ध ,पारसी ,मुस्लिम, जैन और पारसी समुदाय को अल्पसंख्यक समुदाय के रूप में अधिसूचित किया गया है अंत में उन्होंने मंत्री का धन्यवाद ज्ञापित किया बैठक में मुख्य रूप से नगर अध्यक्ष प्रशांत जैन जिला महामंत्री प्रितपाल सिंह जिला का कोषाध्यक्ष शरद जायसवाल नगर कोषाध्यक्ष सिद्धार्थ सांवरिया जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजेश जायसवाल ,दीप सिंह पटेल, राजू जायसवाल ,यशपाल सिंह, नागेंद्र मोदनवाल, दिनेश कुमार सिंह, टीपू अली, विनोद जायसवाल, कृष्णा सोनी, यशपाल सिंह, अमित वर्मा, शिवम केशरी, अमित केसरी, करनपाल सिंह ,अभिषेक गुप्ता, अभिषेक ,धर्मेंद्र प्रजापति ,नगर संयोजक अमित अग्रवाल, पंकज कनोडिया आईटी सेल प्रभारी सूर्या जायसवाल, महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष पुष्पा सिंह , भारतीय जनता पार्टी की प्रमिला त्रिपाठी, क्षेत्रीय उपाध्यक्ष कुसुम शर्मा, जिला कार्य समिति सदस्य रितु अग्रहरि आदि लोग उपस्थित रहे।

डॉक्टर भीमराव अंबेडकर के प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया विरोध

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। सोमवार को लोकसभा में भारतीय संविधान निर्माता डॉक्टर भीमराव अंबेडकर के खिलाफ भारत के गृहमंत्री अमित शाह द्वारा दिए गए आपत्तिजनक बयान को लेकर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी रावटसगंज द्वारा पारसी पांडे में डॉक्टर भीमराव अंबेडकर के प्रतिमा पर माल्यार्पण कर गृह मंत्री अमित शाह के विरुद्ध जोरदार प्रदर्शन किया गया तथा उनके इस्तीफा की मांग की गई। ब्लॉक अध्यक्ष अमरेश देव पांडे ने कहा कि डॉक्टर भीमराव अंबेडकर सबके पूजनीय हैं। अमित शाह ने लोकसभा में जो बयान दिया वह काफी अमर्यादित और अलोकतांत्रिक है। पूर्व जिला महासचिव निगम मिश्रा एडवोकेट कहां की डॉ भीमराव अंबेडकर के द्वारा बनाए गए भारतीय संविधान को भारतीय जनता पार्टी और आरएसएस के लोग शुरू से ही और अस्वीकार करते रहे हैं। आए दिन भारतीय संविधान को लेकर आरएसएस और भारतीय जनता

पार्टी के लोग अनाप-शनाप बोलते रहते हैं। भारत के गृह मंत्री अमित शाह ने लोकसभा में अंबेडकर के खिलाफ बोलकर 100ङ्ग साबित कर दिया कि भारतीय जनता पार्टी और आरएसएस भारतीय संविधान और संविधान निर्माता अंबेडकर को नहीं मानती। जिला महासचिव दया शंकर देव पांडे ने कहा कि अमित शाह जी के बयान के खिलाफ कांग्रेस ने जमीनी स्तर पर अभियान छोड़ दिया है। जब तक अमित शाह इस्तीफा नहीं देते तब तक कांग्रेस का अभियान चलता रहेगा। इस दौरान निगम मिश्रा, अमरेश देव पांडे, दयाशंकर देव पांडे, दीपू पांडे, रामानंद पांडे, अरुण, आकाश राव, शिवम जाटव, कन्हैयालाल भारती, तेतरी देवी, संजू, शीला भारती,अब सारी बेगम, बनारसी भारती, शीतल भारती, तेतरी भारती, साधना देवी, सुकुमारी, फेकनी, कमल राव, विजय कुमार गुप्ता, राजन, रमेश कुमार, आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता बल्लू कोल तथा संचालन बनारसी भारती ने किया।

सपाइयों ने मनाई पूर्व प्रधानमंत्री की जयंती

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। सोमवार को समाजवादी पार्टी कार्यालय सोनभद्र पर किसानों की समृद्धि के लिए आजीवन संघर्ष करने वाले देश के पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह की

जयंती पर उनके चित्र पर पुष्प अर्पित करते हुए शत-शत नमन किया गया और राष्ट्रीय किसान दिवस के रूप में मनाया गया । संगोष्ठी को संबोधित करते हुए समाजवादी पार्टी के जिला अध्यक्ष राम निहोर यादव ने कहा कि किसानों की समृद्धि के लिए आजीवन संघर्ष करने वाले देश के पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह हमेशा किसानों की लड़ाई लड़ने का काम किया और अपने प्रधानमंत्री कार्यकाल में किसानों के लिए जन कल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से आगे बढ़ने का काम किया । उन्हीं के रास्ते पर चलते हुए समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने हमेशा किसानों की लड़ाई लड़ने का काम कर रहे हैं और उनकी आवाज को सदन में उठाने का काम कर रहे हैं । किसानों नौजवानों व्यापारियों आदिवासियों महिलाओं और हर समाज की यदि कोई आवाज उठाने वाली पार्टी है तो वह समाजवादी पार्टी है । संगोष्ठी को संबोधित करते हुए श्री यादव ने कहा कि भाजपा सरकार में किसानों का सबसे बड़ा शोषण हो रहा है जिसे किसान कतई बर्दाश्त नहीं करेगा। भाजपा संविधान को खत्म करके हर वर्ग को कमजोर करने की साजिश कर रही है ।संगोष्ठी में मुख्य रूप से जिला महासचिव मोहम्मद सईद कुरैशी पूर्व जिला अध्यक्ष संजय यादव जिला उपाध्यक्ष रामप्यारे सिंह पटेल अशोक पटेल अनिल प्रधान त्रिपुरारी गौड़ विजय शंकर जायसवाल विष्णु कुशवाहा राजमणि यादव जितेंद्र शौर्य त्रिपाठी लल्लू भारती परशुराम यादव इमरान खान सत्यम पांडे आदिल अंसारी मिथिलेश कुमार सिंह संतोष पासवान के साथ सैकड़ो कार्यकर्ता उपस्थित थे।

स्पोर्ट्स

मेलबर्न में जब पिछली बार उतरे थे विराट कोहली तो मचाई थी तबाही, फैंस को एक और बड़ी पारी का इंतजार

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। दो साल पहले टी20 विश्व कप 2024 के दौरान विराट ने पाकिस्तान के खिलाफ 53 गेंद में नाबाद 82 रन बनाकर भारत को असंभव सी जीत दिलाई थी। तब मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) पर जमा 90 हजार से ज्यादा दर्शकों की जुबां पर एक ही नाम था...विराट कोहली । भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच 26 दिसंबर से मेलबर्न में चौथा टेस्ट खेला जाएगा। पांच मैचों की सीरीज तीन मैचों के बाद फिलहाल 1-1 से बराबर है। पर्थ में खेला गया मुकाबला भारत ने 295 रन से जीता था, जबकि एडेलिड में दूसरे डे-नाइट टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया ने 10 विकेट से जीत हासिल की थी। इसके बाद गाबा में तीसरा टेस्ट ड्रॉ रहा। अब चौथा टेस्ट जो कि एक बॉक्सिंग डे टेस्ट है, उसमें दोनों टीमें बढ़त लेने उतरेंगी। मेलबर्न में जब पिछली बार विराट कोहली मैदान पर उतरे थे तो उन्होंने तबाही मचाई थी और पाकिस्तान के खिलाफ एक असंभव जीत दिलाई थी।यह मुकाबला दो साल पहले टी20 विश्व कप 2024 के दौरान खेला गया था। तब विराट ने पाकिस्तान के खिलाफ 53 गेंद में नाबाद 82 रन बनाकर भारत को असंभव सी जीत दिलाई थी। तब मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) पर जमा 90 हजार से ज्यादा दर्शकों की जुबां पर एक ही नाम था...विराट कोहली । इतिहास की सर्वश्रेष्ठ पारियों में दर्ज इस पारी से उन्होंने अपने आलोचकों को भी करारा जवाब दिया था। दो साल बाद प्रारूप अलग है, लेकिन हालात वही। बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के पहले मैच में पर्थ में शतक जमाने के बाद बाकी पांच पारियों में कोहली 26 रन ही बना सके हैं, लेकिन उनके फैंस को यकीन है कि अपने पसंदीदा मैदान एमसीजी पर उनका बल्ला चलेगा। मेलबर्न में उनकी लोकप्रियता का आलम यह है कि टूर गाइड से लेकर सुरक्षाकर्मियों तक, सभी की जुबां पर उन्हीं का नाम है। एमसीजी पर ऑस्ट्रेलियाई खेल संग्रहालय के टिकट काउंटर पर पहुंचते ही कोहली की तस्वीरों से ही सामना होता है। सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर 2018-19 में पहली बार सीरीज जीतने के बाद बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी को चूमते हुए और एमसीजी पर तीसरे टेस्ट में टीम के साथ जश्न मनाते हुए कोहली की तस्वीरें लगी हैं। इसके साथ ही लिखा है 'कोहलीज कॉन्करर्स (कोहली की विजेता टीम)'। ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट सीरीज जीतने का भारत का इंतजार 2018-19 में ही खत्म हुआ था। एमसीजी टूर कराने वाले गाइड डेविड एक घंटे के टूर में बार-बार बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी और बॉक्सिंग डे टेस्ट का जिक्र करते हुए इसे 'ब्लॉकबस्टर' मैच बताते हैं। कोहली का जिक्र उनकी बातों में बार-बार आता है। हालांकि, उनके अपने पसंदीदा भारतीय क्रिकेटर शानदार फॉर्म में चल रहे तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह हैं। डेविड ने कहा, 'यह ऑस्ट्रेलिया में सबसे बड़ा टेस्ट है और भारत-ऑस्ट्रेलिया मुकाबले से ज्यादा रोमांचक क्या हो सकता है। मुझे इसका बेताबी से इंतजार है। हम उम्मीद करते हैं कि विराट का बल्ला यहां नहीं चले।' पर्थ में रहने वाली गुजरात की सलोनी खास तौर पर मेलबर्न टेस्ट देखने क्रिसमस की छुट्टियों में यहां आई हैं। उन्होंने कहा, 'पहली बार मैंने पर्थ में स्टेडियम में टेस्ट देखा और बहुत खुशी है कि विराट ने उस मैच में शतक जमाया था। बाकी मैचों को लेकर काफी रोमांचित हूं। मेलबर्न में बहुत अच्छा मैच होने वाला है। मुझे विराट की आक्रामकता बहुत पसंद है। मैदान पर उन्हें देखने में मजा आता है। उनकी फिटनेस का जवाब नहीं है।' कोहली ने पहला बॉक्सिंग डे टेस्ट 2011 में खेला था और सातवें नंबर पर उतरकर पहली पारी में 11 रन बनाए थे और दो कैच भी लपके थे। दूसरी पारी में वह खाता नहीं खोल सके। फिर 2014 में महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी में ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न में बॉक्सिंग डे टेस्ट में चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए 169 रन बनाए थे और अजिंक्य रहाणे के साथ 262 रन की साझेदारी की थी। दूसरी पारी में भी 54 रन बनाकर उन्होंने मैच ड्रॉ कराने में अहम भूमिका निभाई थी। ऑस्ट्रेलिया में पिछली बार कोहली ने कोई बॉक्सिंग डे टेस्ट 2018 में खेला था। तब मेलबर्न में कप्तान कोहली ने पहली पारी में इस मैदान पर 82 रन बनाए थे, लेकिन दूसरी पारी में खाता नहीं खोल सके थे। उस मैच में उन्होंने मिचेल मार्श और एरोन फिंच के कैप लपके थे। बुमराह ने नौ विकेट लेकर भारत की 137 रन से जीत की नींव रखी और बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में 2-1 की बढ़त दिलाने में मदद की थी। कोहली दुनिया के दूसरे सबसे बड़े मैदान पर अब तक तीन टेस्ट में 52.66 की औसत से 316 रन बना चुके हैं जिसमें एक शतक और दो अर्धशतक शामिल हैं। भारत के लिए एमसीजी पर सबसे ज्यादा रन बनाने वाले सचिन तेंदुलकर (10 मैचों में 449 रन) से वह 133 रन और रहाणे (छह मैचों में 369 रन) से 53 रन पीछे हैं।कोहली के साथ ही भारतीय टीम के लिए भी एमसीजी टेस्ट में भाग्यशाली मैदान रहा है। इसी मैदान पर 1978 में भारत ने पहली बार ऑस्ट्रेलियाई सरजमीं पर 222 रन से जीत दर्ज की थी और भागवत चंद्रशेखर ने उस मैच में 12 विकेट लिए थे। सीरीज जीतने के लिए भारत को 71 साल इंतजार करना पड़ा और कोहली की कप्तानी में यहीं पर 2018-19 में भारत ने ऑस्ट्रेलिया में पहली बार टेस्ट सीरीज जीती थी।

पीएम मोदी ने अश्विन को लिखा पत्र, खेल के लिए समर्पण की भावना को सराहा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। प्रधानमंत्री ने लिखा, हम सभी को याद है कि कैसे आप अपनी मां के अस्पताल में भर्ती होने के बावजूद टीम में योगदान देने के लिए वापस आए। चेन्नई में बाढ़ के दौरान आप अपने परिवार से संपर्क नहीं कर पाने के बावजूद दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेलते रहे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पूर्व भारतीय दिग्गज स्पिनर रविचंद्रन अश्विन को उनके शानदार करियर के लिए बधाई देते हुए कहा कि आपने ऑफ स्पिन की जगह कैरम बॉल डालकर सभी को बोल्ड कर दिया। अश्विन ने हाल ही में ऑस्ट्रेलिया दौरे के दौरान अंतरराष्ट्रीय करियर से संन्यास ले लिया था। प्रधानमंत्री ने अश्विन को लिखे पत्र में उनकी विपरीत परिस्थितियों में ईमानदारी और प्रतिबद्धता की भी सराहना की। प्रधानमंत्री ने लिखा, हम सभी को याद है कि कैसे आप अपनी मां के अस्पताल में भर्ती होने के बावजूद टीम में योगदान देने के लिए वापस आए। चेन्नई में बाढ़ के दौरान आप अपने परिवार से संपर्क नहीं कर पाने के बावजूद दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेलते रहे। जिस तरह से आपने खेल के विभिन्न प्रारूपों के अनुरूप अपने दृष्टिकोण को ढाला, वह टीम के लिए एक संपत्ति थी। कई विश्लेषकों और साथियों ने आपके तेज क्रिकेट दिमाग की प्रशंसा भी की है। उन्होंने आगे लिखा, अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से आपके संन्यास की घोषणा ने भारत और दुनिया भर के प्रशंसकों को चौंका दिया। ऐसे समय में जब हर कोई और अधिक ऑफ ब्रेक गेंद की उम्मीद कर रहा था, आपने कैरम बॉल डालकर सभी को बोल्ड कर दिया। भारत के लिए शानदार करियर के बाद आपके लिए भी यह एक कठिन निर्णय रहा होगा। एक ऐसे करियर के लिए मेरी हार्दिक बधाई स्वीकार करें जो शानदार, कड़ी मेहनत और टीम को हर चीज से ऊपर रखने से भरा रहा है।

राहुल के बाद अब चोटिल हुए कप्तान रोहित, मेलबर्न टेस्ट से पहले अभ्यास के दौरान घुटने में लगी चोट

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच मेलबर्न में 26 दिसंबर से बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी का चौथा मुकाबला खेला जाना है और इसके चार दिन पहले ही रोहित का चोटिल होना भारत के लिए अच्छी खबर नहीं है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉक्सिंग डे टेस्ट से पहले भारतीय कप्तान रोहित शर्मा चोटिल हो गए हैं। रोहित को रविवार को अभ्यास के दौरान घुटने में चोट लगी है। दरअसल, रोहित थ्रो डाउन विशेषज्ञ के साथ अभ्यास कर रहे थे, तभी गेंद उनके पैड को छूते हुए घुटने पर जा लगी। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच मेलबर्न में 26 दिसंबर से बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी का चौथा मुकाबला खेला जाना है और इसके चार दिन पहले ही रोहित का चोटिल होना भारत के लिए अच्छी खबर नहीं है। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज फिलहाल 1-1 की बराबरी पर है। भारतीय टीम की नजरें अगले टेस्ट मैच को जीतकर सीरीज में बढ़त हासिल करने पर टिकी होगी। रोहित से पहले भारतीय टीम के बल्लेबाज केएल राहुल भी अभ्यास के दौरान चोटिल हो गए थे। राहुल के हाथ में चोट लग गई थी जिसके बाद फिजियो को मैदान पर आना पड़ा था। सोशल मीडिया पर रोहित की तस्वीरें वायरल हो रही हैं जिसमें वह अपने घुटने में आईस पैक लगाते दिख रहे हैं। रोहित इस सीरीज में फॉर्म हासिल करने के लिए जूझ रहे हैं। अभी तक यह पता नहीं चला है कि रोहित की चोट कितनी गंभीर है, लेकिन अभ्यास के दौरान वह दर्द में दिखे। वहीं, राहुल की चोट को लेकर कोई स्पष्टता नहीं है और टीम प्रबंधन ने भी इस बारे में कोई बयान जारी नहीं किया है कि उन्होंने चिकित्सा सहायता क्यों मांगी। राहुल मौजूदा दौरे पर फॉर्म में हैं, उन्होंने छह पारियों में 47 के प्रभावशाली औसत से 235 रन बनाए हैं। भारतीय टीम के तेज गेंदबाज आकाश दीप ने रोहित और राहुल की चोट को लेकर चिंताओं को खारिज किया है। अभ्यास सत्र के दौरान जब आकाश दीप से रोहित की चोट के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, जब आप क्रिकेट खेलते हो तो चोट लगती ही है। यह चिंता का विषय नहीं है। मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) में भारत का पलड़ा ऑस्ट्रेलिया पर भारी है। पिछले 10 वर्षों में टेस्ट में यह ग्राउंड भारत के लिए अजेय किला बना हुआ है। भारतीय टीम ने इस मैदान पर 2014 से ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ कुल तीन मुकाबले खेले हैं और उसे दो में जीत मिली है, जबकि एक मैच ड्रॉ रहा है। वहीं, पैट कमिंस की अगुआई वाली टीम पिछले 10 वर्षों में एमसीजी पर भारत के खिलाफ जीत दर्ज नहीं कर सकी है। यह आंकड़े भारत के लिए राहत देने वाले हैं क्योंकि टीम की नजरें बढ़त हासिल करने पर टिकी हुई हैं।

पहले वनडे में भारत की वेस्टइंडीज पर 211 रन से जीत, स्मृति मंधाना के बाद रेणुका सिंह भी चमकीं

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। इस मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम ने स्मृति मंधाना की 91 रनों की दमदार पारी की बदौलत 50 ओवर में नौ विकेट पर 314 रन बनाए। जवाब में मेहमान टीम 26.2 ओवर में 103 रन के स्कोर पर ही ढेर हो गई। मेजबानों के लिए रेणुका सिंह ने पांच विकेट लिए भारतीय महिला टीम ने वेस्टइंडीज को पहले वनडे मैच में 211 रन से हरा दिया। रविवार को खेले गए मुकाबले में जीत के साथ हरमनप्रीत कौर की अगुआई वाली टीम ने सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली है। तीन मैचों की सीरीज का दूसरा मुकाबला मंगलवार को खेला जाएगा, जिसमें टीम इंडिया अजेय बढ़त दर्ज करने का लक्ष्य लेकर उतरेगी। बता दें कि, वडोदरा में खेले गए इस मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम ने स्मृति मंधाना की 91 रनों की दमदार पारी की बदौलत 50 ओवर में नौ विकेट पर 314 रन बनाए। यह वनडे में टीम का पांचवां सबसे बड़ा स्कोर है। जवाब में मेहमान टीम 26.2 ओवर में 103 रन के स्कोर पर ही ढेर हो गई। मेजबानों के लिए रेणुका सिंह ने पांच विकेट लिए। 315 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी वेस्टइंडीज शुरुआत से ही कमजोर नजर आई। पहली ही गेंद पर कियाना जोसेफ रन आउट हो गईं। मैथ्यूज बिना खाता खोले पवेलियन लौटीं। विलियम्स (03) और डॉटिन (08) भी 11 के स्कोर पर पवेलियन लौट गईं। इसके बाद विंडीज की टीम उबर नहीं पाई। 34 रन पर उसने छह विकेट खो दिए थे। कैंपबेल ने 21 और अंत में एल्फी फ्लैचर ने नाबाद 24 रन बनाकर विंडीज को सौ के पार कराया। रेणुका के पांच विकेट के अलावा प्रिया मिश्रा ने 22 रन पर दो विकेट लिए। तितास साधू और दीप्ति शर्मा को एक-एक सफलता अपने नाम करने में कामयाब रहीं। स्मृति मंधाना और पहला वनडे खेल रहीं दिल्ली की प्रीतिका के बीच पहले विकेट के लिए 110 रन की शतकीय हुई। प्रीतिका ने 69 गेंद में चार चौकों की मदद से 40 रन बनाए जबकि मंधाना ने 91 रन बनाए। स्मृति का यह सभी प्रारूपों में लगातार पांच पारियों में पांचवां अर्धशतक है। इससे पहले उन्होंने विंडीज के ही खिलाफ तीन टी20 मैचों में तीन अर्धशतक लगाए थे। स्मृति ने इसके बाद हरलीन देओल के साथ दूसरे विकेट के लिए 50 रन जोड़े। 160 के स्कोर पर मंधाना आउट हुईं। वह शतक नहीं लगा पाईं। 50 गेंद में दो चौकों, एक छक्के की मदद से 44 रन बनाने वाली हरलीन ने कप्तान हरमनप्रीत के साथ तीसरे विकेट के लिए 66 रन जोड़े। हरमनप्रीत 23 गेंद में तीन चौकों, एक छक्के से 34 रन बनाकर रनआउट हुईं। जेमिमा रोड्रिग्स ने अंत में 19 गेंद में तीन चौकों, एक छक्के की मदद से 31 रन बनाकर टीम को 300 तक पहुंचाया। दीप्ति 12 गेंद में 14 रन बनाकर नाबाद लौटीं। जायदा जेम्स ने 45 रन पर पांच विकेट लिए।

राशि फल

कुछ कार्य जिसकी पिछले कुछ दिनों से प्लानिंग चल रही है, आज शुरू हो सकता है, जिससे आपको आर्थिक स्थिति में लाभ होगा। व्यापार-व्यवसाय में परिवर्तन की योग बन रहे हैं

आज का दिन अच्छा है। परिवार में कोई नया सदस्य आ सकता है। आपके स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव देखने को मिलेगा। व्यापार आदि में सहयोगी पार्टनर के माध्यम से आय के नए स्रोत बनेंगे

किसी कार्य विशेष को लेकर आज यात्रा आदि पर बाहर जा सकते हैं। यात्रा में सावधानी बरतें, नहीं तो आपको नुकसान हो सकता है। साथ ही परिवार में किसी अपने के स्वास्थ्य से आप चिंतित रह सकते हैं।

आज आप व्यर्थ की भागदौड़ से परेशान हो सकते हैं। आपका मन अशांत रहेगा। कार्य की अधिकता के कारण थकावट आदि महसूस होगी।

आज आप मानसिक रूप से उलझे रहेंगे। किसी बात को लेकर परिवार में परेशानी बढ़ सकती है, लेकिन आप अपनी कुशलता से उसे हल करने में सफल होंगे। स्वास्थ्य ठीक रहेगा।

नौकरी आदि के लिए यदि प्रयास कर रहे हैं तो, आज आपको सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य आपका ठीक रहेगा, परंतु परिवार में माता-पिता का स्वास्थ्य बिगड़ सकता है।

आज आपका कोई महत्वपूर्ण कार्य न होने से आप मानसिक तौर से परेशान रह सकते हैं। आर्थिक स्थिति के कारण आपको किसी से मदद मांगनी पड़ सकती है। व्यापार-व्यवसाय में भी इस समय गिरावट महसूस होगी।

आज आप पतनी के स्वास्थ्य को लेकर कुछ परेशान रहेंगे। परिवार के लोग सहयोग करेंगे। व्यापार-व्यवसाय में अपने साथियों के विरोध के कारण आपको बड़ा नुकसान हो सकता है।

स्वास्थ्य को लेकर आप परेशान हो सकते हैं। साथ ही नौकरी आदि में अधिकारी वर्ग से मतभेद बढ़ने से आपकी परेशानी बढ़ेगी।

आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहेगा। किसी अपने के द्वारा आपको कार्यक्षेत्र में बड़ा काम मिल सकता है, जिस कारण मन प्रसनन्‍ रहेगा।

आत्मविश्वास में कमी रहेगी। मानसिंक शांति रहेगी लेकिन असंतोष भी रहेगा। परिवार में शांति बनी रहेगी। पिता का सहयोग मिलेगा।

मान-सम्मान बढ़ेगा। नौकरी में पदोन्नति के योग हैं। आत्मविश्वास बन रहेगा। शिक्षा से जुड़े काम सफल होंगे।

चैंपियंस ट्रॉफी के लिए इंग्लैंड की टीम का एलान, स्टोक्स का कटा पत्ता, रूट की हुई वापसी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। रविवार को बोर्ड ने टीम की घोषणा करते हुए बताया कि जोस बटलर इस टूर्नामेंट में टीम का नेतृत्व करेंगे। वहीं, स्टार ऑलराउंडर बेन स्टोक्स को 15 सदस्यीय स्क्वॉड में शामिल नहीं किया गया है। इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने आगामी चैंपियंस ट्रॉफी के लिए टीम का एलान कर दिया है। रविवार को बोर्ड ने टीम की घोषणा करते हुए बताया कि जोस बटलर इस टूर्नामेंट में टीम का नेतृत्व करेंगे। वहीं, स्टार ऑलराउंडर बेन स्टोक्स को 15 सदस्यीय स्क्वॉड में शामिल नहीं किया गया है। न्यूजीलैंड के खिलाफ हाल ही में खेले गए तीसरे टेस्ट मैच में वह चोटिल हो गए थे। इसके अलावा जो रूट की टीम में वापसी हुई है।ईसीबी ने चैंपियंस ट्रॉफी के अलावा भारत दौरे के लिए भी टीम का एलान किया है। बता दें कि, इंग्लैंड की टीम अगले साल की शुरुआत में भारत का दौरा करेगी। इस दौरान दोनों टीमों के बीच पांच टी20 और तीन वनडे मैच खेले जाएंगे। इन दोनों सीरीज में इंग्लैंड का नेतृत्व जोस बटलर ही करेंगे। वहीं, जो रूट नवंबर 2023 में खेले गए वनडे विश्व कप के बाद इस प्रारूप में पहली बार वापसी कर रहे हैं। उन्हें टी20 सीरीज के लिए टीम में नहीं चुना गया है। ईसीबी की तरफ से बताया गया है कि इंग्लैंड की टीम 17 जनवरी को भारत के लिए रवाना होगी। वहीं, 22 जनवरी से टी20 सीरीज का आगाज होगा। भारत के खिलाफ वनडे सीरीज और चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए इंग्लैंड की टीमः जोस बटलर (कप्तान), जोफ्रा आर्चर, गस एटकिंसन, जैकब बेथेल, हैरी ब्रूक, ब्रायडन कार्स, बेन डकेट, जेमी ओवरटन, जेमी स्मिथ, लियाम लिविंगस्टोन, आदिल राशिद, जो रूट, साकिब महमूद, फिल साल्ट, मार्क वुड। भारत दौरे के लिए इंग्लैंड की टी20 टीमः जोस बटलर, रेहान अहमद, जोफ्रा आर्चर, गस एटकिंसन, जैकब बेथेल, हैरी ब्रूक, ब्रायडन कार्स, बेन डकेट, जेमी ओवरटन, जेमी स्मिथ, लियाम लिविंगस्टोन, आदिल राशिद, साकिब महमूद, फिल साल्ट, मार्क वुड।

सम्पादकीय

बेलगाम हुई साइबर ठगी, पुलिस और एजेंसियों को सक्षम बनाने की जरूरत

भारत सरकार ने बार-बार कहा है कि उसकी कोई एजेंसी डिजिटल अरेस्ट जैसी कार्रवाई नहीं करती। खुद प्रधानमंत्री मन की बात कार्यक्रम में यह कह चुके हैं कि डिजिटल अरेस्ट की धमकी देने वालों से सावधान रहें। इसके बाद खबर आई कि विभिन्न एजेंसियां साइबर ठगों के खिलाफ सक्रिय हो रही हैं लेकिन इसका कहीं कोई सकारात्मक असर नहीं दिख रहा है। साइबर अपराध की बढ़ती घटनाएं चिंताजनक हैं। करीब-करीब हर दिन लोग साइबर ठगी के शिकार होकर अपना पैसा गंवा रहे हैं। एक समय पहले जैसे डकैती आम बात थी, वैसे ही अब साइबर ठगी। साइबर ठग नित-नए तरीकों से लोगों को ठग रहे हैं। पहले वे धोखे से लोगों की क्रेडिट, डेबिट कार्ड संबंधी जानकारी लेकर ठगी करते थे, फिर तरह-तरह का लालच देकर ठगने लगे। अब वे डिजिटल अरेस्ट की धमकी देकर लोगों को ठग रहे हैं। डिजिटल अरेस्ट की फर्जी धमकी से भयभीत होकर लोग साइबर ठगों के चंगुल में कहीं आसानी से फंस जा रहे हैं। इनमें अच्छे-खासे पढ़े-लिखे लोग भी हैं। अब तो नौकरशाह, उद्योगपति भी उनके चंगुल में फंसने लगे हैं। कई लोग ऐसे हैं, जो डिजिटल अरेस्ट की धमकी देने वाले ठगों के खातों में करोड़ों रुपये ट्रांसफर कर चुके हैं। साइबर ठगी के मामले अकेले भारत में ही नहीं, लगभग हर देश की पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों के लिए चुनौती बन कर सामने आ रहे हैं। एक आंकड़े के अनुसार 2025 में साइबर ठगी से होने वाली आर्थिक क्षति 10 लाख करोड़ डालर से भी अधिक हो सकती है। यह आंकड़ा सुनकर किसी के भी पैरों तले जमीन खिसक सकती है। यह आंकड़ा यही बताता है कि साइबर ठग किस तरह बेलगाम होते जा रहे हैं। साइबर ठगी के मामलों में पुलिस के सामने सबसे बड़ी चुनौती ठगों की पहचान करना और उन्हें पकड़ना और फिर उनसे ठगी की रकम वसूलना होता है। ऐसा इसलिए है, क्योंकि साइबर ठग अक्सर विदेश में रहकर ठगी करते हैं और वह भी मोबाइल फोन, ईमेल आदि के जरिये। साइबर ठगी के बढ़ते मामलों के साथ यह भी दिख रहा है कि लोगों से ठगी के जरिये हासिल की गई राशि बढ़ती जा रही है। पिछले दिनों दिल्ली के एक सेवानिवृत्त इंजीनियर से दस करोड़ रुपये डिजिटल अरेस्ट का भय दिखाकर हड़प लिए गए। इसके पहले वर्धमान ग्रुप के प्रमुख एसपी ओसवाल से सात करोड़ रुपये ठग लिए गए थे। साइबर ठगों ने उन्हें फर्जी सीबीआइ अधिकारी बनकर ठगा और उनके कथित मामले की सुप्रीम कोर्ट में फर्जी सुनवाई तक का नाटक किया। पांच-दस लाख रुपये की ठगी के मामले तो बहुत आम हो गए हैं। भारत सरकार ने बार-बार कहा है कि उसकी कोई एजेंसी डिजिटल अरेस्ट जैसी कार्रवाई नहीं करती। खुद प्रधानमंत्री मन की बात कार्यक्रम में यह कह चुके हैं कि डिजिटल अरेस्ट की धमकी देने वालों से सावधान रहें। इसके बाद खबर आई कि विभिन्न एजेंसियां साइबर ठगों के खिलाफ सक्रिय हो रही हैं, लेकिन इसका कहीं कोई सकारात्मक असर नहीं दिख रहा है। साइबर ठग पहले की ही तरह बेलगाम हैं। समझना कठिन है कि जब साइबर ठगी के मामले इतने बढ़ रहे हैं, तब सरकार की तरफ से नागरिकों को जागरूक करने के काम में शिथिलता क्यों बरती जा रही है? सरकार को चाहिए कि वह यह बार-बार बताए कि टैक्स की वसूली करने वाले आयकर, जीएसटी जैसे विभागों का डिजिटल अरेस्ट से कोई लेना-देना नहीं। इसी तरह यह भी प्रचारित किया जाना चाहिए कि सीबीआइ, ईडी, कस्टम, नारकोटिक्स जैसे विभाग न तो डिजिटल अरेस्ट जैसी कार्रवाई करते हैं और न ही किसी मामले में किसी व्यक्ति को अपना पैसा किसी अन्य के खाते में जमा कराने को कहते हैं। साइबर ठग लोगों को धमकाने के लिए कभी फोन कर यह कहते हैं कि उनके नाम आए या उनके नाम से भेजे गए पार्सल में ड्रग्स मिला है। कभी यह कहते हैं कि उनके खाते से अवैध लेन-देन हो रहा है और कभी यह कि आपके बेटे-बेटी को अमुक-अमुक अपराध में हिरासत में लिया गया है। अनेक मामलों में वे वाट्सएप के जरिये वीडियो काल करते हैं। वे लोगों को डिजिटली अरेस्ट कर लिए जाने का भय दिखाते हैं। वे मैसेज के जरिये कोई लिंक भेजकर उसे क्लिक करने को भी कहते हैं, ताकि लिंक पर क्लिक करने वाले का मोबाइल फोन हैक कर सकें। साइबर ठगी से बचने के लिए लोगों को केवल लालच में आने से ही नहीं बचना होगा, बल्कि सीबीआइ, ईडी, कस्टम, नारकोटिक्स, जीएसटी आदि विभागों के फर्जी अधिकारी बनकर फोन करने वालों से भी सावधान रहना होगा।

ऐसी धमकियों को कैसे रोका जाए बम की अफवाह झूठी निकलने पर आरोपी पर सख्त कार्रवाई समय की मांग

देश में लगातार बम की धमकी की अफवाह बढ़ती जा रही है। ऐसे में बम रखने की घटना यदि अफवाह निकले तो आरोपी पर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए, क्योंकि ऐसी धमकियों से सैकड़ों लोग प्रभावित होते हैं। हर जगह दहशत फैल जाती है और पूरा सरकारी अमला इसकी जांच में जुट जाता है।अक्सर विमान, स्कूल, कॉलेज, शॉपिंग मॉल, मंदिर जैसी संस्थाओं पर बम रखने की धमकी आती है। इन धमकियों के कारण सैकड़ों लोग प्रभावित होते हैं। एयरपोर्ट से लेकर स्कूल, कॉलेज और मंदिरों में दहशत फैल जाती है। पूरा सरकारी अमला इसकी तस्दीक में जुट जाता है और अंत में पता चलता है कि कुछ लोगों ने केवल मजे के लिए यह धमकी थी। कई बार तो किसी बच्चे ने यह संदेश भेजा था। इन सभी का माध्यम सोशल मीडिया ही होता है।अगर किसी फ्लाइट को उड़ाने की धमकी मिलती है तो उसकी जांच की प्रक्रिया में काफी रुपये का नुकसान होता है। फ्लाइट खाली कराई जाती है। गहन चेकिंग होती है तो यात्रियों को दिक्कत होना भी लाजिमी है। ऐसे में एयरलाइन्स यात्रियों की सुविधा के लिए तमाम व्यवस्थाएं करती है। उड़ान ज्यादा लेट होने पर रिफंड भी करना पड़ता है। यात्रियों को बाहर रुकना पड़ता है। दूसरी उड़ानें भी प्रभावित होती हैं।विकृत मानसिकता के कुछ लोग

भी इस काम में लगे रहते हैं। अपनी विकृति की संतुष्टि के कारण वे इस तरह के काम को अंजाम देते हैं। इस दिशा में कार्रवाई हुई तो कुछ ऐसे लोग पकड़े गए हैं, जो यह नहीं जानते थे कि वे क्या कर रहे हैं। कहीं कोई नाबालिग पकड़ा गया तो कहीं कोई नाराज प्रेमी। इससे यह बात भी सिद्ध होती है कि आजकल बच्चों और युवाओं में धैर्य नाम की कोई चीज नहीं बची है। वे आगे-पीछे कुछ भी सोचे बिना इस तरह के काम करते हैं। कई बार तो उन्हें इसका भी भान नहीं होता कि उनका किसी ने इस्तेमाल कर लिया। अनजाने में वे इस तरह का काम कर बैठते हैं।ऐसे में सरकार का यह कर्तव्य है कि लोगों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए ऐसे लोगों को पकड़कर उन्हें ऐसी सजा दे कि वह दूसरों के लिए सबक बन सके। हाल के दिनों में एयरलाइन कंपनियों को लगातार धमकियां मिलने के बाद इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने निर्देश जारी किए हैं और सभी कर्मचारियों से इसका पालन करने को कहा है। वहीं सूचना प्रौद्योगिकी नियमों के तहत सख्ती के साथ निर्धारित समय-सीमा के भीतर गलत सूचना को तुरंत रोकने के लिए कहा गया है। वैसे यह देखना भी महत्वपूर्ण है कि क्या इस तरह की घटना किसी संगठन की धमकी है या किसी की शरारत। कहीं ऐसा तो नहीं कि यह भारतीय विमानन कंपनियों को घाटे में पहुंचाने की साजिश हो। इस दिशा में भी गहनता से जांच होनी चाहिए।

जनजातीय गौरव की भावना का उत्सव, भगवान बिरसा मुंडा की आकांक्षाएं युवाओं की प्रेरणा

इतिहास के प्रत्येक कालखंड में हमारी मातृभूमि ने ऐसे वीर बेटे-बेटियों को जन्म दिया है, जिन्होंने अपने विलक्षण योगदान के बल पर भारत की भावना को अभिव्यक्ति दी है। कुछ विभूतियों ने सप्तर्षि मंडल के नक्षत्रों की तरह हमारा मार्गदर्शन किया। भगवान बिरसा मुंडा हमारे नक्षत्र मंडल के सबसे चमकते सितारों में से एक थे, जिनका प्रकाश राष्ट्र के मार्ग को आलोकित करता है। आज जब देश ने अपने आधुनिक इतिहास के इस महान व्यक्तित्व की 150वीं जयंती का साल भर चलने वाला समारोह शुरू किया है, तब मैं उनकी पुण्य स्मृति को कृतज्ञतापूर्वक नमन करती हूं। मुझे याद आता है कि कैसे बचपन में भगवान बिरसा मुंडा की गाथाएं सुनकर मुझे और मेरे संगी-साथियों को अपनी विरासत पर गर्व होता था। मात्र 25 वर्ष की आयु में आज के झारखंड के उलिहातू गांव का वह बालक औपनिवेशिक शोषण के विरुद्ध जन-प्रतिरोध का महानायक बन गया। जब ब्रिटिश अधिकारी और स्थानीय जमींदार जनजातीय समुदायों का शोषण कर रहे थे, उनकी जमीनें हड़प रहे थे और अत्याचार कर रहे थे, तब भगवान बिरसा इस सामाजिक-आर्थिक अन्याय के विरुद्ध उठ खड़े हुए। उन्होंने लोगों को अपने अधिकारों की लड़ाई के लिए प्रेरित किया। 'धरती आबा' के रूप में सम्मानित भगवान बिरसा ने ब्रिटिश उत्पीड़न के विरुद्ध 'उलगुलान' या मुंडा विद्रोह का संचालन किया। यह एक विद्रोह से कहीं बढ़कर न्याय और सांस्कृतिक पहचान के लिए था। उनकी सूझबूझ ने जनजातीय लोगों द्वारा बिना किसी हस्तक्षेप के अपनी जमीन पर खेती करने के अधिकार और जनजातीय रीति-रिवाजों के महत्व को एक साथ जोड़ दिया। महात्मा गांधी की तरह उनका संघर्ष भी न्याय और सत्य की खोज से प्रेरित था। बीमारों की सेवा उनके लिए मिशन था। उन्हें एक उपचारकर्ता का प्रशिक्षण मिला था। अद्भुत घटनाओं की एक श्रृंखला ने लोगों में यह विश्वास पैदा किया कि ईश्वर ने उन्हें एक महान उपचारक का विशेष स्पर्श दिया है। वह गांव-गांव बीमारों से मिलने जाते और अपने कौशल से असंख्य लोगों को स्वस्थ करते।

आखिर कितना खतरनाक है हिमालय पर लाखों वाहनों का चढ़ना

हिमालय के चार धामों में से केदारनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री समेत तीन धामों की इस साल की यात्रा का समापन हो गया और अब शेष बदरीनाथ के कपाट आगामी 17 नवंबर को बंद होने हैं। तीन धामों के यात्रावसान तक देशभर के 46,34,448 श्रद्धालु यात्रा कर लौट चुके थे। बहुत ही संवेदनशील हिमालय के पर्यावरण पर यात्रियों की इस बाढ़ का असर तो पड़ ही रहा है, लेकिन उससे अधिक गंभीर विषय हिमालय पर और खास कर गंगा के श्रोत गंगोत्री और सतोपन्थ जैसे तेजी से पीछे खिसक रहे ग्लेशियरों पर वाहनों की अत्यधिक भीड़ का है। यह भीड़ सीधे वैश्विक और स्थानीय तापमान को बढ़ा रही है जिसका दुष्परिणाम जलवायु परिवर्तन और चरम मौसम के कारण उत्पन्न दैवी आपदाओं के रूप में रूप में सामने नजर आ रहे हैं। चूंकि हिमालय ऐशिया का जलस्तंभ होने के साथ ही मौसम का नियंत्रक भी है और यह ऐशिया के पांच देशों से जुड़ा हुआ है। इसलिये हिमालय की चिन्ता केवल उत्तराखण्ड तक ही सीमित नहीं है। इसलिये हिमालय जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में यात्री वाहनों की संख्या बढ़ाने के बजाय उस पर सख्त नियमन की आवश्यकता है।उत्तराखण्ड हिमालय की तीन धामों की सालाना यात्रा समाप्ति के दिन तक चारों धामों में से दो तक सीधे और दो धामों के बहुत निकट तक 5,21,915 वाहन यात्रियों को लेकर पहुंच चुके थे। इनमें से भी सीधे बदरीनाथ और गंगोत्री पहुंचने वाले वाहनों से उत्सर्जित प्रदूषकों का

सीधा असर सतोपन्थ और गंगोत्री ग्लेशियर समूहों पर पड़ना स्वाभाविक ही है। केदारनाथ पहुंचने वाले यात्रियों की संख्या तो हर साल कीर्तिमान बना ही रही थी, लेकिन इस बार केदार घाटी पहुंचने वाले यात्री वाहनों ने भी रिकार्ड तोड़ दिया। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, इस साल केदारनाथ यात्रा पर जाने वाले वाहनों की संख्या 1,87,590 तक पहुंच गयी जबकि पिछले यह संख्या केवल 88,236 थी। इसरो की रिपोर्ट के अनुसार, यह घाटी भूस्खलन की दृष्टि से देश में सर्वाधिक संवेदनशील है और मुख्य केंद्रीय भ्रंश के निकट होने के कारण यह भूकम्प के मुहाने पर भी बैठी है। इसलिये इस क्षेत्र में क्षमता से अधिक मानव दबाव को बहुत जोखिमपूर्ण माना गया है। सन् 1968 में जब पहली बार बद्रीनाथ बस पहुंची थी तो वहां तब तक लगभग 60 हजार यात्री पहुंचते थे। लेकिन यह संख्या अब 13 लाख सालाना पार कर गयी है। इन यात्रियों के साथ मात्र 6 माह में लगभग 1.50 लाख वाहन बद्रीनाथ पहुंच रहे हैं। गंगोत्री में इस बार 8,15,273 यात्री और 88,236 वाहन 3 नवम्बर तक पहुंच चुके थे। पहले ज्यादातर यात्री बसों में सफर करते थे और औसतन एक बस 30 यात्रियों को ढो लेती थी। लेकिन अब अधिकतम 5 लोग लोग कारें लेकर यात्रा कर रहे हैं जिस कारण वाहनों का भारी दबाव हिमालय पर बढ़ता जा रहा है। जिसका विपरीत असर हिमालय के पारितंत्र पर पड़ने के साथ ही अतिवृष्टि, बादल फटने, त्वरित बाढ़ और आसमानी बिजली गिरने जैसी आपदाओं की संख्या बढ़ने के साथ ही उनकी आवृति भी बढ़ रही है। विशेषज्ञों की माने तो मैदानी क्षेत्र की तुलना में पहाड़ों पर वाहनों का प्रदूषण चार गुना अधिक होता है। मैदानों में सामान्यतः वाहन तीसरे और चौथे गेयर में औसतन 60 किमी की गति से चलते हैं। जबकि पहाड़ों की चढ़ाइयों पर वाहन पहले और दूसरे गेयर में औसतन 20 किमी की गति से चलते हैं। वाहन पहाड़ों पर कितनी चढ़ाई चढ़ते हैं इसका अंदाजा इस बात से लग जाता है कि चारधाम यात्रा समुद्रतल से 300 मीटर की ऊंचाई पर स्थिति ऋषिकेश से शुरू होकर समुद्र तल से 3042 मीटर की उंचाई पर स्थित गंगोत्री और 3133 मीटर की उंचाई पर स्थित बद्रीनाथ पहुंचते हैं। वाहनों की अत्यधिक भीड़ का सीधा असर गंगोत्री और सतोपन्थ ग्लेशियरों पर पड़ रहा है। इस तरह हिमालय पर वाहनों की भीड़ से लोकल और ग्लोबल वार्मिंग का तेज होना स्वाभाविक ही है। वाहनों से उत्सर्जित वायु प्रदूषण गैसों और कणों का मिश्रण होता है। साइंस जनरल के फरवरी अंक में प्रकाशित एक शोध पत्र के अनुसार, गैसों में नाइट्रोजन ऑक्साइड (एनओएक्स), कार्बन मोनोऑक्साइड, सल्फर डाइऑक्साइड और ओजोन शामिल हैं। पार्टिकुलेट मैटर (पीएम) में कार्बनिक और मौलिक कार्बन, सीसा जैसे धातु और पॉलीसाइक्लिक एरोमैटिक हाइड्रोकार्बन शामिल होते हैं। डीजल इंधन से चलने वाले वाहन सर्वाधिक ब्लैक कार्बन उत्सर्जित करते हैं। ब्लैक कार्बन एक प्रकार का कण पदार्थ (पीएम) है जो जीवाश्म ईंधन, बायोमास और अन्य कार्बनिक पदार्थों के अधूरे दहन से उत्पन्न होता है। यह सूर्य के प्रकाश को अवशोषित कर और वातावरण को गर्म करता है और जलवायु को भी प्रभावित करता है। साथ ही यह बर्फ की सतह पर जमा होने पर बर्फ के पिघलने की गति भी बढ़ाता है। वाहनों से सबसे अधिक कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जित होती है जो कि जीवाश्म ईंधन के दहन से उत्पन्न एक ग्रीनहाउस गैस है। यह जलवायु परिवर्तन में योगदान देने वाली प्राथमिक गैस है। कार्बन डाइऑक्साइड और मीथेन ग्रीनहाउस गैसें हैं जो जलवायु परिवर्तन में योगदान करती हैं। कार्बन डाइऑक्साइड और मीथेन गैस एरोसोल के निर्माण और व्यवहार को प्रभावित करती है जिसके गर्म और ठंडे दोनों चरम प्रभाव हो सकते हैं। इसी तरह मीथेन वायुमंडल में रासायनिक प्रतिक्रियाओं के माध्यम से एरोसोल के निर्माण को जन्म देती है। एरोसोल बादल निर्माण और गुणों को प्रभावित कर सकते हैं, जिससे पृथ्वी का विकिरण संतुलन प्रभावित होता है और चरम मौसम की स्थिति पैदा हो जाती है जिससे दैवी आपदाओं का खतरा बना रहता है। इसलिए एरोसोल सांद्रता में परिवर्तन जलवायु प्रतिक्रिया तंत्र को प्रभावित कर सकते हैं, जिससे ग्रीनहाउस गैसों की भूमिका और जटिल हो जाती है। अब कल्पना की जा सकती है कि वाहनों का रेला किस तरह हिमालय को नुकसान पहुंचा रहा है। यद्यपि अब वाहनों के सख्त नियमन से पार्टिकुलेट मैटर और नाइट्रोजन ऑक्साइड उत्सर्जन में कमी आई है, लेकिन वाहनों की बढ़ती संख्या के कारण सुधार अधूरे साबित हो रहे हैं।

आईआईटी दिल्ली में 11वां पूर्व छात्र दिवसः विरासत और नवाचार का उत्सव

देव मणि शुक्ल

नोएडा आईआईटी दिल्ली ने 22 दिसंबर, 2024 को लेक्चर हॉल कॉम्प्लेक्स (एलएचसी) में अपना 11वां पूर्व छात्र दिवस आयोजित किया, जिसका विषय था ठजुड़ें, समृद्ध करें, सशक्त बनाएंः भावना का उत्सव।ठ इस महत्वपूर्ण अवसर पर आईआईटीडी समुदाय को परिभाषित करने वाली सौहार्द और नवाचार की भावना का जश्न मनाने के लिए पूर्व छात्र, छात्र और अन्य गणमान्य व्यक्ति एक साथ आए। दिन की शुरुआत पंजीकरण और हाई-टी से हुई, जिसके बाद पूर्व छात्र दिवस 2024 की संयोजक डॉ. कमलिका बनर्जी ने उद्घाटन भाषण दिया। आईआईटीडी पूर्व छात्र संघ (आईआईटीडीएए) के अध्यक्ष मनीष जायसवाल ने एक गर्मजोशी भरा स्वागत भाषण दिया, जिससे उत्सव का माहौल बन गया। आईआईटी दिल्ली की उपलब्धियों और आकांक्षाओं पर विचार करते हुए डीन एलुमनाई रिलेशंस प्रो. नीलांजन सेनरॉय ने कहा, ठयह कार्यक्रम हमारे पूर्व छात्रों और उनके अल्मा मेटर के बीच आजीवन बंधन का प्रमाण है। साथ मिलकर हम न केवल पुरानी यादें ताज़ा कर रहे हैं, बल्कि संस्थान और समाज के लिए एक उज्ज्वल भविष्य का निर्माण भी कर रहे हैं।ठ मुख्य अतिथि, दिल्ली सरकार के मुख्य सचिव धर्मेंद्र (आईएएस) ने सभा को संबोधित करते हुए इस बात पर जोर दिया, ठआईआईटी दिल्ली के पूर्व छात्र इस बात का एक शानदार उदाहरण हैं कि कैसे शिक्षा ऐसे नेताओं का निर्माण कर सकती है जो समाज के हर स्तर पर बदलाव लाते हैं। उनका योगदान वैश्विक स्तर पर गूंजता है, और इस तरह के आयोजन राष्ट्र निर्माण के लिए आवश्यक ऊर्जा और विचारों को बढ़ावा देते हैं।ठ अपने प्रेरक मुख्य भाषण में, रीन्यू के सीईओ और चेयरमैन सुमंत सिन्हा ने कहाः ठस्थायी विकास और ऊर्जा नवाचार का भविष्य आईआईटी दिल्ली और उसके पूर्व छात्रों जैसे संस्थानों के हाथों में है। यह सभा सामूहिक बुद्धि और सहयोग की शक्ति को दर्शाती है। अतिथि ज्योति बंसल, जो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्ध उद्यमी हैं, ने कहा, ठनवाचार ऐसे समुदायों में पनपता है जहाँ विविधता और लीक से हटकर सोचने का जश्न मनाया जाता है। आईआईटी दिल्ली और इसके पूर्व छात्र उस भावना को मूर्त रूप देते हैं, सीमाओं को आगे बढ़ाते हैं और महत्वपूर्ण समाधान बनाते हैं।ठ विषयगत सत्र दिन के मुख्य आकर्षणों में से एक थे। ठपरिवर्तन बननाः परिवर्तन करने वाले भारत का निर्माणठ सत्र में पद्मश्री प्रो. अनिल गुप्ता जैसे दिग्गज शामिल हुए, जिन्होंने टिप्पणी की, ठपरिवर्तन करने का असली सार जमीनी स्तर पर नवाचार और वंचितों के प्रति सहानुभूति में निहित है।ठ अन्य पैनलिस्ट श्री राजेश अग्रवाल (आईएएस) थे, जिन्होंने कहा, ठआईआईटी के पूर्व छात्रों को न केवल अपने क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए देखना बल्कि गहन तरीकों से सामाजिक परिवर्तन में योगदान करते हुए देखना प्रेरणादायक है।ठ ठअर्थ 2.0: सस्टेनेबिलिटी इनोवेटर्सठ सत्र में श्री आलोक अग्रवाल और डॉ. अंजन रे जैसे कुछ विचारक शामिल हुए, जिन्होंने स्थिरता चुनौतियों और अभिनव समाधानों पर अपनी अंतर्दृष्टि साझा की। श्री अग्रवाल ने कहा, ठस्थिरता अब एक विकल्प

नहीं है; यह एक अनिवार्यता है। पर्यावरण के प्रति जागरूक नवप्रवर्तकों को बढ़ावा देने में आईआईटी दिल्ली की महत्वपूर्ण भूमिका है।ठ ठसमानांतर ब्रह्मांडः असाधारण और अपरंपरागत का जश्नठ नामक एक विशेष सत्र में विश्व प्रसिद्ध ब्रिज खिलाड़ी श्री राजेश्वर तिवारी जैसे अपने क्षेत्र के दिग्गजों को सम्मानित किया गयाः ठअपरंपरागत रास्ते असाधारण मंजिलों की ओर ले जाते हैं और इस तरह के आयोजन ऐसी यात्राओं को प्रोत्साहित करते हैं।ठ स्टार्टअप पिच टैंक एक और बेहतरीन सेगमेंट था, जिसमें उभरते उद्यमियों ने उद्योग जगत के नेताओं के एक पैनल के सामने अभिनव विचार प्रस्तुत किए, जिसमें कारदेखो के संस्थापक श्री अमित जैन भी शामिल थे, जिन्होंने कहा, ठउद्यमिता ऐसे पारिस्थितिकी तंत्र में पनपती है जो साहसिक विचारों को प्रोत्साहित करते हैं। आईआईटी दिल्ली ऐसे पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देना जारी रखता है।कार्यक्रम का समापन एक भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ हुआ, जिसमें शान ने ओपन एयर थिएटर (ध्ँऊ) में अपने भावपूर्ण प्रदर्शन से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। नेटवर्किंग डिनर ने पूर्व छात्रों और मेहमानों को आईआईटी दिल्ली समुदाय के भीतर फिर से जुड़ने, पुरानी यादें ताज़ा करने और बंधनों को मजबूत करने का मौका दिया। इस कार्यक्रम की सफलता प्रायोजकों, सेंट्रल पार्क, स्पिनी, रियलमी, आठ गुना एआई, डायना एयरकॉन, इफको, रिस्क बर्ग और केनरा बैंक द्वारा सुगम बनाई गई। आयोजन टीम को भी धन्यवाद दिया जाता है, क्योंकि इसने इस दिन को भावना, जुड़ाव और प्रेरणा का सच्चा उत्सव बनाने के लिए अथक प्रयास किया। इस दिन की भावना को अभिव्यक्त करते हुए, आईआईटीडीएए के अध्यक्ष, श्री मनीष जायसवाल ने कहा कि ठपूर्व छात्र दिवस एक कार्यक्रम से कहीं अधिक है; यह हमारी सामूहिक पहचान का उत्सव है। यह हमारे अतीत, वर्तमान और भविष्य के बीच के बंधन को मजबूत करता है, जिससे प्रभाव और प्रेरणा की विरासत बनती है। दुनिया भर में 60,000 से ज़्यादा पूर्व छात्र, घ्ळ्ऊँ पूर्व छात्रों और संस्थान के बीच की खाई को पाटने का काम जारी रखे हुए है। इस संस्था द्वारा विकसित किए गए रिश्ते राष्ट्र निर्माण और सामाजिक परिवर्तन में योगदान देते हैं। पूर्व छात्र दिवस पुरानी यादों में वापस जाने, सफलता की कहानियाँ साझा करने और युवा पीढ़ी को बड़े सपने देखने और उज्ज्वल भविष्य की ओर साहसिक कदम उठाने के लिए प्रेरित करने का एक प्रिय अवसर बना रहेगा। आईआईटीडी पूर्व छात्र संघ (आईआईटीडीएए) के सचिव गौरव मोहन ने सभी उपस्थित लोगों के लिए एक सहज अनुभव सुनिश्चित करते हुए, दिन के कार्यक्रमों के आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

ADHUNIK TUTORIALS

" FOR THE STUDENTS, FROM A STUDENT "

FOR CLASSES 1st 5th

(ADMISSION OPEN)

FACILITIES

- Air Conditioned & Well Furnished Classroom
- Water Cooler Available
- Hygienic Washrooms
- CCTV for Safety Purposes
- In Campus Parking

Dr. (Er)PuneetArora (HON. DIRECTOR)
(B.Tech, M. Tech, MBA , Ph.D)
Awarded with ' Young Scientist & Best Teachers, Author of Many Books Chapters, Research Paper, Patent & Trademarks

Ms.Nilanjana Arora (Assistant Director)

- Ex. Student of Bethany Convent School, Bishop Johnson School & College, Girl's High School & College
- Pursuing B.Tech
- Awarded by TCS
- Certification in the Field of Web Development and Machine Learning .

Ms. Riya Arora (Counsellor)

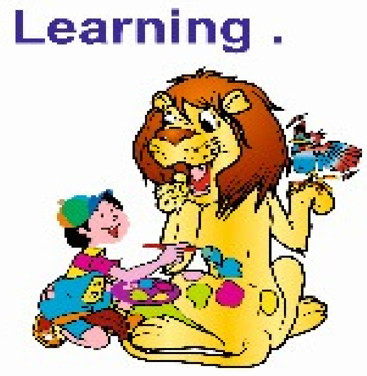

- Ex. Student of Delhi Public School.
- Subject Topper of Delhi Public School
- Pursuing LLB from University of Allahabad .

Address: B-Block, ADA Colony, Mtek Campus, Naini, Prayagraj .

Contact :- Call and Whatsapp: 8542919234

सपा नोएडा महानगर ने चौधरी चरण सिंह की जयंती धूमधाम से मनाया

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नोएडा। नोएडा सपा नोएडा महानगर ने महानगर कार्यालय सेक्टर 53 कंचनजंगा मार्केट में पूर्व प्रधानमंत्री वह किसान नेता चौधरी चरण सिंह किया, कार्यक्रम का संचालन महासचिव विकास यादव के द्वारा किया गया उन्होंने कहा कि 1952 में वह उत्तर प्रदेश के राजस्व मंत्री बने एवं किसानों के हित में कार्य चरण सिंह जी ने 1952 में जमींदारी उन्मूलन विधेयक पारित किया इस विधेयक के कारण 27000 पटवारियों ने त्यागपत्र दे दिया जिसे उन्होंने निडरता के साथ

के 122 वा जन्म दिवस पर धूमधाम से किसान दिवस के रूप में मनाया। महानगर अध्यक्ष डॉक्टर आश्रय गुप्ता ने कहा कि चौधरी चरण सिंह जो हमारे देश के प्रधानमंत्री रहे हैं और किसानों के मसीहा हैं सही मायने में वह देश के सच्चे किसान नेता थे उन्होंने सभी धर्म और जात को साथ में लेकर चलने का काम करते रहें, वहीं सपा के प्रदेश सचिव मनोज चौहान व विधानसभा अध्यक्ष बबलू चौहान ने चौधरी चरण सिंह को कर्मठ एवं जुझारू जन नेता के साथ-साथ किसानों के कल्याण का उत्थान के लिए आजीवन संघर्ष करने वाला महान व्यक्ति बताया, मीडिया प्रभारी गौरव कुमार यादव ने कहा कि चौधरी स्वीकार किया, आज के इस कार्यक्रम में मौजूद मुख्य लोगों मे मोहम्मद नौशाद, ओमपाल राणा,मयंक लाल, सतवीर यादव, सोनू त्यागी, राकेश यादव ,कमल गौतम, अच्छे मियां, वीरपाल अवाना ,जितेंद्र यादव, राणा मुखर्जी, अमित यादव, सिकंदर पासवान मुख्य रूप से मौजूद रहे।

जीएल बजाज और विप्रो ने उद्योग उत्कृष्टता केंद्र के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नोएडा। नोएडा स्थित जीएल बजाज इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट (उ१ँ्घ्ऊश्) ने अपने कैंपस में जाएंगी और रियल-वर्ल्ड प्रोजेक्ट्स पर काम करने का अवसर मिलेगा। समझौते पर हस्ताक्षर करने के बाद जीएल बजाज शिक्षण संस्थान के

ठउत्कृष्टता केंद्रठ स्थापित करने के लिए भारत की शीर्ष आईटी कंपनी विप्रो के साथ एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (श्दळ) पर हस्ताक्षर किए। यह केंद्र छात्रों को नई तकनीकों में कुशल बनाकर उन्हें उद्योग के लिए पूरी तरह तैयार करेगा। इसके माध्यम से व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जाएगा। उन्नत कार्यशालाएं आयोजित की वाइस चेयरमैन पंकज अग्रवाल ने कहा कि इस समझौते का उद्देश्य छात्रों और उद्योग के बीच के अंतर को कम करना और उन्हें बदलती तकनीकी दुनिया में सफल बनने के लिए तैयार करना है। समारोह में कॉलेज के निदेशक डॉ. मानस कुमार मिश्रा, प्लेसमेंट निदेशक डॉ. मंजू खत्री, और विप्रो के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

14वें महाकौथिग के तीसरे दिन का शुभारंभ डीएम मनीष वर्मा ने किया

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नोएडा। नोएडा स्टेडियम में चले रहे 14वें महाकौथिग मेले के तीसरे दिन का 24 नोएडा,जय माँ दूनागिरी कीर्तन मंडली,माँ नन्दा कीर्तन मण्डली मयूर बिहार, फेज-3,गढ़?वाल कुमांऊ दुर्गा

शुभारम्भ आज प्रातः 10 बजे गौतमबुद्ध नगर के जिलाधिलारी मनीष वर्मा ने दीप प्रज्वलित कर किया. जिसके बाद विधिवत रूप से कीर्तन मंडली प्रतियोगिता का आयोजित की गयी. जिसमे प्रवासी उत्तराखंड की विभिन्न महिला कीर्तन मंडलियों द्वारा शानदार प्रस्तुतियां पेश की गयी। प्रतियोगिता की विजेता मयूर बिहार फेज-3 की माँ नन्दा कीर्तन मण्डली रही। वहीँ सुनीता ध्यानी कार्तिन मंडली इन्द्रापुरम दूसरे स्थान पर रही, जबकि माँ दुर्गा कीर्तन मंडली वैशाली तीसरे स्थान पर रही. आज की कीर्तन मंडली प्रतियोगिता में कुल 13 कीर्तन मंडलियों ने भाग लिया। जय दुर्गा कीर्तन मंण्डली सेक्टर 34 नोएडा,सुनीता ध्यानी कार्तिन मंडली इन्द्रापुरम ,देव भूमि मण्डली सेक्टर-मंडली खोड़ा कालोनी महरोली कीर्तन मंडली,शिव शक्ति कार्तिन मण्डली सेक्टर-22 नोएडा,नर विहार-2 कीर्तन मंडली, नन्दनी उत्तराखण्ड कार्तिन मंडली,माँ दुर्गा कीर्तन मंडली वैशाली सेक्टर-2,शाम के देखें युवा दिलों की धड़कन लोक गायक इंदर आर्य को शाम के सत्र में अपराहन 3:30 बजे से शाम 7:30 बजे उत्तराखंड के प्रसिद्ध लोक गायक इंदर आर्य, लोकगायिका माया उपाध्याय, लोक गायक मृणाल रतूड़ी द्वारा उत्तराखंडी लोक गीतों की प्रस्तुति दी जाएगी इस अवसर पर महाकौथिग के मुख्य संयोजक राजेन्द्र चौहान, संस्थापक कल्पना चौहान, अध्यक्ष आदित्य घिल्डियाल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष हरीश असवाल, महासचिव लक्ष्मण सिंह रावत, कोषाध्यक्ष सुबोध थपलियाल, इंद्रा चौधरी, नरेन्द सिंह बिष्ट, उपेन्द्र पोखरियाल, जगत सिंह रावत, पी.एन. शर्मा, आर.पी. घिल्डियाल, विनोद कबटियाल, दीवान सिंह लटवाल, दिगमोहन नेगी, सौरभ धस्माना, गिरीश कोटनाला, उदय ममगाई राठी, कृष्ण कुमार सुद्रियाल, देवेन्द्र सिंह रावत, पुष्पा रावत, रेखा चौहान, सचिव पुष्पा भट्ट, सुरेन्द्र बिष्ट, मोनू नेगी, दिनेश लखेड़ा, राजेन्द्र सिंह रावत, चंदन सिंह गुसांई, आनन्द पांडे, दीपक बेलवाल, संजय उनियाल, अमर देव भट्ट, यशवंत सिंह रावत, खेशांत खुराना, रजनी जोशी, सत्येन्द्र नेगी, नीरज रावत, हेमन्त जोशी, हरेन्द्र शर्मा, आयुषी जुयाल, इन्दिरा प्रसाद उनियाल, एस. पी. धस्माना, भगवती प्रसाद जुयाल, रमेश चंद्र नैलवाल, रमेश भारद्वाज, सुदर्शन चौधरी, मंजू बड़थ्वाल, लता रावत, केशव दत्त जोशी, सीमा पंवार, सुनीता रावत, तान्या आर्य, सुषमा जोशी, वंदना बिष्ट, हरिदत्त भट्ट, एस.पी. चमोली, अमित पोखरियाल, आर.एस. असवाल, अनिता भट्ट, मुकेश लखेडा, सुनीता ध्यानी, प्रभा बिष्ट, कविता करगेती, दिगपाल कैंतुरा, धनराज सिंह नेगी, महेश नेगी, अंजू पुरोहित, बबली अधिकारी, पुष्पा देवली, खुशाल सिंह बिष्ट, शिशपाल सिंह रावत, आनंद सिंह रौथाण, समेत हजारों की संख्या में दर्शक मौजूद रहे।

बॉलीवुड/टेली मसाला

अजय देवगन की सबसे बड़ी फ्लॉप फिल्म है ब्लॉकबस्टर की रीमेक, 68 करोड़ रुपये में बनी थी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। बॉलीवुड अभिनेता अजय देवगन इन दिनों अपनी फिल्म सिंघम अगेन की सफलता का आनंद ले रहे हैं। लेकिन क्या आपको पता है अजय की सबसे खराब और का हिस्सा रहे हैं, जो अक्सर बॉक्स ऑफिस पर रिकॉर्ड तोड़ती हैं। वैसे तो अजय की फिल्में अक्सर रिकॉर्डतोड़ कमाई करती हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि उन्होंने कुछ बड़ी फ्लॉप फिल्में भी दी हैं? कभी- था, लेकिन अफसोस की बात यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल नहीं दिखा पाई थी और फ्लॉप हो गई थी। अजय के साथ, 2013 की इस फिल्म में तमन्ना भाटिया, परेश रावल और महेश

फ्लॉप फिल्म के बारे में। अगर नहीं तो जानिए इस खास रिपोर्ट में...अजय देवगन ने अपने फिल्मी करियर में कई बेहतरीन हिट फिल्में दी हैं, लेकिन 11 साल पहले, अजय ने एक बड़ी फ्लॉप फिल्म दी थी, जिसे उनकी सबसे खराब फिल्म बताया गया। आखिर कौन सी फिल्म थी, जिसे 68 करोड़ रुपये के बजट में बनाया गया था, लेकिन फिर भी फ्लॉप हो गई थी। वैसे तो इन दिनों अजय अपनी फिल्म सिघम अगेन को लेकर लगातार चर्चा में बने हुए हैं। वहीं अजय की कई फिल्में पाइपलाइन में हैं , जिनमें सन ऑफ सरदार 2 और दे दे प्यार दे 2 भी शामिल हैं। बहरहाल, देखा जाए तो अजय देवगन ने बॉक्स ऑफिस पर कई बड़ी हिट फिल्में दी हैं। वह कुछ प्रमुख फ्रैंचाइजी कभार उनकी फिल्में बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह असफल भी रहीं। हालांकि, उनकी सबसे खराब फिल्म बड़े बजट में बनी थी और बॉक्स ऑफिस पर धमाका कर गई थी। अजय देवगन की सबसे खराब फिल्म के बारे में बात करे तो वह किसी फिल्म का रीमेक है, जिसे 68 करोड़ रुपये के भारी भरकम बजट पर बनाया गया था। यह 11 साल पहले रिलीज हुई थी और यहां तक कि अभिनय को भी बिल्कुल पसंद नहीं किया गया था। सोच रहे हैं कि वह कौन सी फिल्म है? खैर, उस फिल्म का नाम हिम्मतवाला। हिम्मतवाला फिल्म श्रीदेवी और जीतेंद्र की 1983 में इसी नाम की फिल्म की रीमेक थी। अजय देवगन स्टारर इस फिल्म का निर्देशन साजिद खान ने किया मांजरेकर भी हैं। दिलचस्प बात यह है कि इस फिल्म में कॉमेडी, ड्रामा, एक्शन और रोमांस देखने को मिला था, जो दर्शकों को रास नहीं आया। हालांकि, जब यह सिनेमाघरों में रिलीज हुई, तो इसे दर्शकों और आलोचकों से नकारात्मक प्रतिक्रिया मिली। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, फिल्म ने भारत में 58.34 करोड़ रुपये और दुनिया भर में 65.79 करोड़ रुपये का कारोबार किया था।वहीं पिछले कुछ सालों में अजय देवगन ने कई बड़ी हिट फिल्में दी हैं, जिनमें हाल ही में रिलीज हुई सिंघम 3, 2022 में दृश्यम 2, शैतान जैसी कई फिल्में शामिल हैं। वहीं अजय जल्द ही रेड 2, दृश्यन 3, दे दे प्यार दे 2, शैतान 2, आजाद के अलावा कई फिल्मों से दर्शकों का मनोरंजन करने वाले हैं।

बिग बॉस के घर फिर हुआ बवाल, रजत ने घर वालों को दी शिल्पा से दूर रहने की चेतावनी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। बिग बॉस 18 दिलचस्प मोड़ लेता जा रहा है, जिससे शो के प्रति दर्शकों की उत्सुक्ता बढ़ीत जा रही है। इस बार बिग बॉस के घर रजत दलाल और शिल्पा शिरोडकर बीच छिड़ी जंग।बिग बॉस 18 के कंटेस्टेंट लगातार अपने ड्रामे, बहस और मजाक से दर्शकों का मनोरंजन कर रहे हैं। वीकेंड के वार में, सलमान खान एक ब्रेक के बाद आए और कंटेस्टेंट्स को एक बहुत जरूरी ब्रेक दिया। एक टास्क के दौरान, नॉमिनेटेड कंटेस्टेंट्स को अपने दोस्तों को एक हाउसमेट के बारे में चेतावनी देनी थी और सभी को चौंकाते हुए रजत दलाल ने शिल्पा शिरोडकर का नाम लिया। उसके बाद जो बवाल हुआ, उसने सभी को चौंका दिय बॉलीवुड अभिनेत्री और बिग बॉस कंटेस्टेंट

शिल्पा शिरोडकर, रजत दलाल की बीतों से हैरान रह गईं, जब रजल ने घर वालों को बताया कि वह हर किसी के साथ अच्छा व्यवहार करने की सिर्फ कोशिश करती हैं और कभी भी अपनी राय नहीं रखती हैं। रजत ने आगे शिल्पा के लिए कहा कि करण वीर मेहरा, चुम दरंग और घर के आधे सदस्य पहले से ही उनका समर्थन करते हैं और वह बाकी आधे लोगों को अपने पक्ष में करने की कोशिश कर रही हैं।रजत दलाल की बातों को सुनकर, अभिनेत्री राशि खन्ना, जो अपनी आगामी फिल्म द साबरमती रिपोर्ट के प्रचार के लिए विक्रांत मैसी के साथ बिग बॉस के सेट पर आई थीं वह भी दंग रह गईं। राशि ने कहा ठइसे कहते हैं पर्दा फाश।'' वहीं दूसरी ओर, रजत के बयान से शिल्पा शिरोडकर परेशान हो जाती हैं।बिग बॉस के घर से राशि और विक्रांत के जाने के बाद, करण वीर मेहरा और चुम दरंग के साथ बैठकर शिल्पा शिरोडकर इस बारे में चर्चा करती हैं। रजत उनकी बातें सुन लेता है और पूछता है कि क्या वे उसके बारे में बात कर रहे हैं। वह उनसे सीधे बात करने के लिए कहता है और करण उससे पूछता है कि वह क्या जानना चाहती है। इससे शिल्पा शिरोडकर और रजत दलाल के बीच बहस हो जाती है।शिल्पा, रजत से कहती हैं, ङ्गआप जिन लोग के साथ अकेले बैठे हो, आप उनके भी नहीं हो पाए। आप उनके साथ भी सही नहीं हो। आपको लगता है आप सामने से बोलते हो, लेकिन आप बोलते ही नहीं हो। आप यूके का मौसम जैसा हो, सुबह एक पसंदीदा होता है, दोपहर कोई और है, शाम को कोई और। रजत दलाल ने पलटवार करते हुए कहा कि शिल्पा शिरोडकर कभी भी अपने मन की बात नहीं कहती हैं। वह कहते हैं, ङ्गअगर पांच लोगों की बात हो रही है, आप स्वाद अच्छे लेते हो, खुद के समय मिर्ची लग जाती है। साथ वाले के बारे में भी बोलते देखा है आपको।

वीकेंड के वार पर भाईजान की वापसी, दिग्विजय और अविनाश की सलमान खान ने लगाई क्लास

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। 'बिग बॉस 18' के वीकेंड के वार पर सलमान खान ने धमाकेदार वापसी की है। उन्होंने ने शो के बाहर होने के बाद एक-दूसरे को फाड़ने की उनकी धमकियों के बारे में दोनों को सबक सिखाने का फैसला किया। शनिवार को अविनाश किचन एरिया में गिर गए थे और घायल हो गए थे।इसके बाद अभिनेता सलमान खान ने अविनाश से पूछा, ठये कौनसे शो

आते ही प्रतियोगियों की क्लास लगाई। अभिनेता ने दिग्विजय राठी और अविनाश मिश्रा को निशाने पर लेते हुए सबक सिखाया। सलमान खान ने 'बिग बॉस 18' में वापसी कर दी है। अपनी फिल्म सिकंदर की शूटिंग के बाद वह वापस वीकेंड का वार पर नजर आए हैं। आते ही सलमान खान दिग्विजय राठी और अविनाश मिश्रा पर बिफर पड़े। उन्होंने इन दोनों की क्लास लगाई। अभिनेता सलमान खान दोनों को सबक सिखाते दिखे। आइए जानते हैं सलमान खान ने क्या कहा 'वीकेंड का वार' एपिसोड के दौरान, सलमान प्रसारित हुए एपिसोड में सलमान ने मंच पर एक जींस की जोड़ी मंगवाई और अविनाश से उन्हें फाड़ने के लिए कहा। जैसी कि उम्मीद थी, अविनाश ऐसा नहीं कर सके। सलमान ने इस मौके का इस्तेमाल अपनी बात रखने के लिए किया। उन्होंने प्रतियोगियों से पूछा, ठये जींस है, ये फटी है पर आपसे फट नहीं रही। और आप आदमी फाड़ने की बात कर रहे हैं बिच से। कितने आदमी अपने बाहर फाड़े हैं दिग्विजय?ठ बता दें कि कुछ दिनों पहले दिग्विजय और अविनाश आपस में भिड़ गए थे, जिसके बाद में आए हो आप? कराटे कॉम्बैट में आए हो? कौन से फॉर्मेट में आए हो?ङ्ग पिछले हफ्ते निर्माता एकता आर कपूर ने सलमान से होस्टिंग की जिम्मेदारी संभाली, जो अपनी आगामी फिल्म 'सिकंदर' की शूटिंग में व्यस्त थे। कपूर ने शुक्रवार का वार एपिसोड के दौरान घरवालों को सबक सिखाने में कोई कसर नहीं छोड़ी, जिसमें अभिनेता विवियन डीसेना उनके मुख्य निशाने पर थे। हालांकि, जब अभिनेता ने रजत को जींस फाड़ने के लिए कहा तो उन्होंने उनकी यह जींस फाड़ दी। यह देखकर बाकी प्रतियोगी दंग रह गए।

थिएटर व्यवसाय की खराब स्थिति पर करण जौहर ने दी राय, बताया किन बातों पर ध्यान देने की है जरूरत

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। बॉलीवुड के दिग्गज निर्देशक करण जौहर ने हाल में ही थिएटर व्यवसाय की मौजूदा स्थिति और इसके भविष्य को बदलने चाहिए कि आज स्ट्रीमिंग सेवाओं पर बहुत सारी चीजें उपलब्ध है, लेकिन अभी भी लोगों में सिनेमाघरों में जा कर फिल्में देखने की बहुत इच्छा है। इसलिए, ऐस फिल्में

के लिए जरूरी चीजों पर बात की है। इस दौरान उन्होंने कहा कि फिल्म निर्माताओं को दर्शकों की भावनाएं समझना काफी आवश्यक है। बॉलीवुड पिछले कुछ वर्षों से एक बुरे दौर से गुजर रहा है। मौजूदा वर्ष 2024 इसके इतिहास के सबसे बुरे वर्षों में से एक है। इस फिल्म उद्योग ने पिछले साल काफी अच्छा प्रदर्शन किया था, जिसमें 1000 करोड़ से भी ज्यादा की कमाई करने वाली दो फिल्में शामिल थीं, लेकिन ये साल स्त्री 2 के अलावा कुछ खास अच्छी नहीं रही है। हाल में ही बॉलीवुड के दिग्गज निर्माता-निर्देशक करण जौहर से सीएनबीसी-टीवी18 के ग्लोबल लीडरशिप समिट में थिएटर व्यवसाय की मौजूदा स्थिति, इसके भविष्य और चीजों को बदलने के लिए क्या किया जा सकता है को लेकर पूछा गया, जिसके जवाब में उन्होंने कहा कि बॉलीवुड को दर्शकों की भावनाओं को समझना चाहिए। फिल्म निर्माता ने दर्शकों के व्यवहार और नब्ज को समझने के महत्व पर जोर देते हुए जवाब दिया, मेरा मानना है कि हमें फिल्म निर्माताओं के रूप में दर्शकों की भावनाओं को समझना चाहिए। आपको ध्यान देना बनाएं, जो लोगों को तुरंत सिनेमा हॉल तक ले जाएं, ऐसी फिल्में नहीं जो आपको ओटीटी पर रोजाना देखने को मिलती हैं।ठकरण ने आगे कहा, ठमैं हमेशा फिल्म निर्माताओं से कहता हूं कि वे अपने ट्रेलर को लेकर योजना बनाएं। अगर कोई फिल्म आपको शानदार थिएट्रिकल ट्रेलर दे रही है, तो यह आपको शानदार थिएट्रिकल ओपनिंग देगी। कोई भी सामान्य चीज छूट जाएगी। कोई भी पहले से किया हुआ काम नहीं करेगा। इसलिए आपको अपनी पहली यूनिट की योजना बनानी होगी, जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि दर्शक कहें, 'मैंने अपनी टिकटें बुक कर ली हैं और मैं जा रहा हूं।उन्होंने हॉरर-कॉमेडी मुंज्या की सफलता का भी उल्लेख किया, जिसने कम प्रसिद्ध अभिनेताओं शरवरी और अभय वर्मा द्वारा अभनीत होने के बावजूद, वैश्विक स्तर पर 125 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई की। इस चर्चा में ही आगे करण ने आगे कहा कि उनका लक्ष्य बहुत सारे छोटे बजट की फिल्में बनाना है। उन्होंने कहा, यह मध्यम बजट की फिल्म है, जहां मुनाफे की लागत बहुत ज्यादा होती है।

इन फिल्मों को दो भागों में रिलीज करने का हुआ एलान, सूची में कंगुवा का नाम भी शामिल

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली।सूर्या की फिल्म कंगुवा ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छी शुरुआत नहीं की है। इस फिल्म को दो भागों में रिलीज करने का एलान किया गया था। इससे पहले भी कई ऐसी फिल्में आ चुकी हैं, जिन्हें दो पार्ट में बनाने की घोषणा की जा चुकी है।सूर्या की फिल्म कंगुवा ने सिनेमाघरों में दस्तक दे दी है। हालांकि, यह फिल्म दर्शकों का दिल जीतने में पूरी तरह से नाकाम रही है। यह फिल्म पहले तीन दिन में 50 करोड़ रुपये की कमाई भी नहीं कर सकी है। रिलीज से पहले ही इस फिल्म को दो भागों में बनाने का एलान कर दिया गया था। हालांकि, देखना दिलचस्प होगा कि खराब कलेक्शन के बाद भविष्य में इस फिल्म का सीक्वल आ पाता है या नहीं। कंगुवा से पहले कई और फिल्मों को दो पार्ट में रिलीज करने का एलान किया जा चुका है। आइए जानते हैं इन फिल्मों के बारे में...जूनियर एनटीआर की फिल्म देवरा को हाल ही में रिलीज किया गया था। शिव कोरताला के निर्देशन में यह फिल्म बड़े बजट में तैयार की गई थी। हालांकि, बॉक्स ऑफिस पर यह

फिल्म अच्छी कमाई नहीं कर सकी। फिल्म को देवरा- पार्ट वन के नाम से रिलीज किया गया था। इसके दूसरे भाग के लिए दर्शकों को अभी लंबा इंतजार करना पड सकता है।तेलुगु सुपरस्टार प्रभास प्रशांत नील की फिल्म सलार पार्ट वन सीजफायर में नजर आए थे। यह फिल्म साल 2021 में रिलीज हुई थी। बॉक्स ऑफिस पर फिल्म सफल रही थी। फिल्म के एलान के समय पर ही यह पहले सी तय हो चुका था कि फिल्म दो भागों में सिनेमाघरों में प्रदर्शित होगी। फिल्म का दूसरा पार्ट अगले साल यानी 2025 तक सिनेमाघरों में दस्तक दे सकता है। इस सूची में अल्लू अर्जुन की फिल्म पुष्पा का नाम भी शामिल है। फिल्म की रिलीज के समय ही पता चल गया था कि यह दो भागों में बनाई जाएगी। साल 2021 में रिलीज हुई इस फिल्म को पुष्पा द राइज पार्ट वन के नाम से रिलीज किया गया था। वहीं, फिल्म का दूसरा भाग इस साल 5 दिसंबर को आने वाले है। रणबीर कपूर की फिल्म रामायण की चर्चा लबे समय से हो रही है। इस फिल्म में उनके साथ साई पल्लवी और यश भी नजर आने वाले हैं। फिल्म का निर्देशन नितीश तिवारी कर रहे हैं। जानकारी के मुताबिक इस फिल्म को दो भागों में तैयार किया जाएगा।

क्या सच में स्पिरिट में नजर आएंगे कोरियाई स्टार डॉन ली जानिए संदीप रेड्डी वांगा ने क्या कहा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। कोरियाई सुपरस्टार डॉन ली को लेकर चर्चा है कि वह फिल्म स्पिरिट में नजर आ सकते हैं। इस पर अब निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा की प्रतिक्रिया सामने आई है।प्रभास और निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा पहली बार फिल्म स्पिरिट में साथ काम कर रहे हैं। फिल्म का इंतजार फैंस को बेसब्री से है। इस पुलिस एक्शन ड्रामा फिल्म की चर्चा हाल के दिनों काफी तेज हो गई है। दरअसल, लोगों को उम्मीद है कि इस फिल्म में कोरियाई सुपरस्टार डॉन ली भी नजर आने वाले हैं। सोशल मीडिया पर बीते कई दिनों से डॉन ली के नाम पर लोग तरह-तरह के कयास लगा रहे हैं। अब फिल्म के निर्देशक ने इस पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। हाल ही में एक कार्यक्रम में बाद करते हुए संदीप कहा, इसके फिल्म लिए प्रतीक्षा करें... यह प्रतीक्षा करने लायक है।इसके अलावा जब उनसे पूछा गया कि फिल्म कब शुरू होगी तो उन्होंने जवाब देते हुए कहा कि यह जल्द ही शुरू होगी और विवरण उपलब्ध होने पर दिया जाएगा।हॉलीवुड में भी नाम कमा चुके कोरियाई स्टार डॉन ली को लेकर लोगों ने उम्मीद लगा रखी है कि वह प्रभास की आगामी फिल्म में विलेन की भूमिका में नजर आएंगे। हालांकि, अभी तक इस बारे में अभी तक आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। वहीं, फिल्म के निर्माता भूषण कुमार ने हाल ही में एक बातचीत में कहा था कि फिल्म की शूटिंग जल्द ही शुरू होगी।

अभिनेत्री कस्तूरी शंकर की बढ़ीं मुश्किलें, आपत्तिजनक टिप्पणी के मामले में गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली।अभिनेत्री कस्तूरी शंकर की मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही है। तमिलनाडु में तेलुगु भाषी लोगों के खिलाफ कथित आपत्तिजनक टिप्पणी करने के मामले में उन्हें शनिवार को हैदराबाद में गिरफ्तार कर लिया गया। अभिनेत्री कस्तूरी शंकर की मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही है। तमिलनाडु में तेलुगु भाषी लोगों के खिलाफ कथित आपत्तिजनक टिप्पणी करने के मामले में उन्हें शनिवार को हैदराबाद में गिरफ्तार कर लिया गया।हिंदू मक्कल काची की बैठक में 50 वर्षीय अभिनेत्री की टिप्पणी पर भाजपा के तमिलनाडु के राष्ट्रीय सह-प्रभारी डॉ. पोंगुलेटी सुधाकर रेड्डी ने कड़ी आपत्ति जताते हुए उनसे माफी की मांग की थी।भाजपा नेता ने समाचार एजेंसी पीटीआई से कहा कि उनकी टिप्पणियां तमिलनाडु के लोगों के बीच सौहार्दपूर्ण माहौल को बाधित करने वाली हैं और वसुधैव कुटुम्बकम (विश्व एक परिवार है) के सिद्धांत के भी खिलाफ हैं। पुलिस ने बताया कि अभिनेत्री ने विवाद के तुरंत बाद अपनी टिप्पणी वापस ले ली थी।इससे पहले मद्रास उच्च न्यायालय की मदुरै पीठ ने उनकी अग्रिम जमानत याचिका खारिज करते हुए कहा था कि मशहूर हस्तियों को सार्वजनिक मंच पर ऐसे मुद्दे को उठाने से पहले हमेशा दो बार सोचना चाहिए। अदालत ने यह भी कहा था कि उन्होंने ठीक तरह से माफी नहीं मांगी और केवल अपने भाषण में की गई टिप्पणी से बचने का प्रयास किया था।

बढ़ती लागत की बहस का हिस्सा बने अजय-अक्षय, बारीकी से समझाया सितारों की फीस का पैमाना

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। बॉलीवुड में फिल्मों की बढ़ती लागत का मुद्दा गर्माया हुआ है। अब 'सिंघम अगेन' के स्टार्स अक्षय कुमार और अजय देवगन भी इस बहस का हिस्सा बनते नजर आए हैं। मनोरंजन जगत में फिल्मों की बढ़ती लागत और रेवेन्यू का मुद्दा गर्माया हुआ है। इस पर अनुराग कश्यप, जावेद अख्तर, करण जौहर, कार्तिक आर्यन और अनुराग कश्यप समेत तमाम हस्तियां अपनी राय रख चुकी हैं। वहीं, अब बॉलीवुड के 'सिंघम' यानी अजय देवगन और अक्षय कुमार भी इस बहस का हिस्सा बन गए हैं। एक हालिया इंटरव्यू में दोनों अभिनेताओं से पूछा गया कि क्या अब फिल्म बनाने में अधिक लागत आती है क्योंकि अभिनेता भारी-

भरकम फीस लेते हैं। इस पर, अभिनेताओं ने अपने दृष्टिकोण साझा किए और यह भी बताया कि अभिनेताओं की फीस चार्ज करने की क्या प्रक्रिया होती है। अजय देवगन ने बताया कि अभिनेता कैसे वेतन लेते हैं। उन्होंने कहा, 'अभिनेता स्क्रिप्ट और फिल्म के अनुसार फीस लेते हैं। और हममें से ज्यादातर लोग वसूली के अनुसार शुल्क ले रहे हैं।' अक्षय कुमार अजय की लगभग हर बात से सहमत थे। उन्होंने आगे कहा, 'अगर हम आज कोई फिल्म साइन करते हैं, तो हम कुछ भी चार्ज नहीं करते हैं, हम सिर्फ एक हिस्सेदारी लेते हैं।अजय देवगन ने अपनी बात में आगे जोड़ा, 'अगर फिल्म काम करती है, तो हमें लाभ में हिस्सा मिलता है, लेकिन अगर ऐसा नहीं होता है, तो हमें कोई हिस्सा नहीं मिलता है।' इसे समझाते हुए, अक्षय कुमार ने कहा कि लाभ में हिस्सेदारी का मतलब है कि अभिनेताओं को सफलताओं के लिए पुरस्कृत किया जाता है और विफलताओं के लिए दंडित किया जाता है।इस बातचीत को जारी रखते हुए, अजय ने कहा, 'कभी-कभी, कोई शेयर भी नहीं होता है। फिर आपको कीमत चुकानी पड़ती है। यह भी जुनून है।' उसी कार्यक्रम में, अभिनेताओं से इस धारणा के बारे में पूछा गया कि क्या साउथ फिल्म इंडस्ट्री में बॉलीवुड की तुलना में अधिक एकता है। इस पर अक्षय ने कहा, 'मैं मानता हूं कि हमारे बीच ज्यादा एकता नहीं है। मुझे नहीं पता कि अजय क्या सोचते हैं।'अपनी राय साझा करते हुए, अजय ने कहा, 'यह ओपनिंग के बारे में नहीं है, क्योंकि बहुत सी चीजें खेल में आती हैं। लेकिन मैं वास्तव में सराहना करता हूं कि वे (साउथ इंडस्ट्री के लोग) एक साथ एक इंडस्ट्री के रूप में आते हैं और एक-दूसरे के लिए खड़े होते हैं।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डा0 दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र.) 211002 से मुद्रित एवं सी-41 यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज। (उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।
सम्पादक/प्रकाशक डा0 पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगे।